सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 301 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 14 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ पुलिस को 153 पदक मिले, सुंदरराज-एलेसेला को वीरता पदक

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से घोषित

पुलिस पदकों में इस बार छत्तीसगढ़ पुलिस का दबदबा देखने को मिला। राज्य के 153 अधिकारियों और जवानों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया है। इनमें 141 वीरता पदक, 10 सराहनीय सेवा पदक और 2 अधिकारियों को विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक दिया जाएगा। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लंबे समय से चल रहे अभियानों में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले अधिकारियों को इस बार विशेष रूप से सम्मानित किया गया है। वीरता पदक पाने वाले प्रमुख अधिकारियों में आईजी पी. सुंदरराज, आईजी इंदिरा कल्याण एलेसेला, एएसपी संदीप पटेल और एएसपी रॉबिंसन गुड़िया शामिल हैं।

वीरता पदक पाने वालों में आईजी पी. सुंदरराज, आईजी इंदिरा कल्याण एलेसेला, एएसपी संदीप पटेल व एएसपी रॉबिंसन गुड़िया शामिल हैं। विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक के लिए डीआईजी एमएल कोटवानी, अतिरिक्त कमांडेंट जनरल राजेश कुमार पांडेय तथा सराहनीय सेवा पदक के लिए कमांडेंट गायत्री सिंह, कमांडेंट ओम प्रकाश शर्मा, एएसपी दीपमाला कश्यप, अतिरिक्त डीसीपी डॉ. अर्चना झा, डिप्टी कमांडेंट रमा पटेल, इंस्पेक्टर पिनाकी, डीएसपी सविता सिंह परिहार, असिस्टेंट कमांडेंट बृजेश कुमार तिवारी, कंपनी कमांडर राकेश सिंह व प्लाटून कमांडर नेहरू लाल शामलि हैं।

सरेंडर महिला नक्सलियों ने रैंप वॉक कर दिखाया जलवा, पहली बार ऐसा नजारा देखकर दंग रह गए लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कभी नक्सलियों का गढ़ रहा बस्तर संभाग अब पूरी तरह से नक्सलमुक्त हो चुका है। अब नक्सलियों की मांद में गोली नहीं बल्कि विकास की बयार बह रही है। सरेंडर नक्सली मुख्यधारा से जुड़कर अब हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में पहली बार छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित प्रदेश स्तरीय बुनकर सम्मेलन एवं स्वदेशी प्रदर्शनी में सरेंडर महिला नक्सली भी पहुंची। पहली बार राजधानी में ऐसा नजारा देखकर लोग हैरान और दंग रह गये। सरेंडर महिला नक्सलियों ने एक प्रोफेशनल मॉडल की तरह रैंप वॉक कर सबको हैरत में डाल दिया।

इस दौरान उनकी भावभंगिमा, छत्तीसगढ़ी परिधानों से सजी वेशभूषा, छत्तीसगढ़ी गहनें लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहे। मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर उनका सम्मान किया। तालियों की गड़गड़ाहट से सरेंडर महिला नक्सलियों का स्वागत किया गया।

सीएम साय ने बढ़ाया उत्साह

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आत्मसमर्पित महिला नक्सलियों से बातचीत की। उन्हें बधाई और शुभकामनायें देते हुए उत्साह बढ़ाया। बस्तर की आत्मसमर्पित नक्सली महिलाओं ने स्वदेशी फैशन शो में एक प्रोफेशनल मॉडल की तरह रैंप वॉक किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक कोसा सिल्क और अन्य हैंडलूम परिधानों का प्रदर्शन किया। सरेंडर महिला नक्सलियों की यह प्रस्तुति मुख्यधारा से जुड़कर आत्मनिर्भर जीवन की ओर बढ़ती महिलाओं के आत्मविश्वास, सम्मानजनक पुनर्वास और बदलते बस्तर की सकारात्मक तस्वीर की सशक्त अभिव्यक्ति रही।

भिलाई के रेलवे पीपी यार्ड में सीनियर डीएमई अनमोल उइके पर सीबीआई का शिकंजा

नया ठेका दिलाने और पुराना बिल पास कराने के नाम पर रिश्वत मांगने का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर अंतर्गत रायपुर रेल मंडल के भिलाई स्थित पीपी यार्ड में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार देर शाम एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। सीबीआई की टीम ने भ्रष्टाचार के मामले में यहां पदस्थ सीनियर डिविजनल मैकेनिकल इंजीनियर अनमोल उइके के खिलाफ शिकायत मिलने के बाद कार्यालय में अचानक दबिश दी। सीबीआई ने अनमोल उइके को नजरबंद रखते हुए कार्यालयीन कक्ष में दस्तावेज और डिजीटल साक्ष्य खंगालना शुरू किया। गुरुवार शाम से शुरू हुई यह कार्रवाई आज दोपहर समाचार लिखे जाने तक जारी रही।

सूत्रों के अनुसार, रेलवे ठेकेदार दीपक वर्मा ने सीनियर डीएमई अनमोल उइके पर ठेके पर नए काम देने और पुराने काम के बकाया बिलों के भुगतान को मंजूरी देने के एवज में मोटी रकम रिश्वत के रूप में मांगने का आरोप लगाया था। परेशान ठेकेदार ने इसकी सीधी शिकायत सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा से की। शिकायत के आधार पर सीबीआई ने प्राथमिक सत्यापन कराया और मामला सही पाए जाने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए भिलाई में स्थित पीपी यार्ड कार्यालय में गुरुवार को शाम 5 बजे छापा मारा।

जानकारी के अनुसार कार्रवाई के लिए 10 अधिकारियों की टीम यहां पहुंची। सीबीआई के अधिकारी जिन वाहनों में पहुंचे हैं वे दिल्ली के अलावा रायपुर व दुर्ग पासिंग हैं। सीबीआई की टीम ने देर शाम से ही सीनियर डीएमई अनमोल उइके को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। कार्रवाई के दौरान उनके कार्यालय कक्ष को कवर में लेकर संबंधित फाइलें, बिल रिकॉर्ड, टेंडर से जुड़े दस्तावेज और वित्तीय लेन-देन के रजिस्टर खंगाले जा रहे हैं। कार्यालय में पदस्थ अन्य अधिकारियों के डिजिटल साक्ष्यों और मोबाइल रिकॉर्ड्स की भी तकनीकी जांच की जा रही है।

रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े जाने की है चर्चा

रेलवे के पीपी यार्ड में मालगाड़ियों के रैक की अनलोडिंग के बाद नियमित जांच की जाती है। वैगन में तकनीकी खराबी और टूट फूट की यहां रिपेयरिंग होती है। यह सारा काम ठेके पर चलता है। बताते हैं दीपक वर्मा नाम का शख्स पीपी यार्ड में ठेके पर काम लेता है। कथित तौर पर दीपक वर्मा ने ही सीबीआई में सीनियर डीएमई अनमोल उइके के खिलाफ रिश्वत मांगने की शिकायत की थी। शिकायत सही पाए जाने पर सीबीआई की टीम ने केमिकल युक्त नोटों से भरे लिफाफे के साथ दीपक वर्मा को अनमोल उइके के पास भेजा। लिफाफे हाथ में लेते ही सीबीआई की टीम ने अनमोल उइके के कार्यालय में दबिश दी और हाथ धुलवाए तो केमिकल रंग छोड़ने लगा।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का आदेश, सीजीएमएससी पर लगा 1 लाख का जुर्माना निरस्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन (सीजीएमएससी) की कार्य शैली और नियम आधारित टेंडर प्रक्रिया पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी मुहर लगा दी है। अदालत ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया है, जिसमें CGMSC पर 1 लाख का जुर्माना (हर्जाना) लगाया गया था। इस फैसले से साफहो गया है कि कंपनी की टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह साफ-सुथरी और नियमों के हिसाब से थी।

पूरा मामला यह था कि टेंडर से जुड़े एक मामले में एक ठेकेदार ने हाईकोर्ट में शिकायत की थी, जिसके बाद हाईकोर्ट ने सीजीएमएससी पर 1 लाख का जुर्माना लगा दिया था। इसके खिलाफ CGMSC सुप्रीम कोर्ट गया। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सुनवाई में पाया कि निगम की तरफ से कोई गलती नहीं हुई थी।

अदालत ने माना कि ठेकेदार ने फॉर्म में जो अपनी ऑफिशियल ईमेल आईडी दी थी, उसी पर समय रहते सारी जरूरी जानकारियां और मैसेज भेजे गए थे। ठेकेदार ने खुद तय समय में जवाब नहीं दिया, इसलिए नियमों के तहत ही उसे टेंडर से बाहर किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि पूरे मामले में सीजीएमएससी का काम बिल्कुल सही था और उस पर लगा 1 लाख का जुर्माना ग़लत है। इस फैसले से साबित हो गया है कि CGMSC अपने सभी टेंडर और खरीदारी में पूरी ईमानदारी और नियमों का पालन करता है।

हावड़ा-मुंबई दुरंतो में मिला 2 करोड़ का सोना, 2 तस्कर पकड़ाए

7 बिस्किट और एक सोने की छड़ मिली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के चलते एयरपोर्ट में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। इस वजह से तस्कर ट्रेनों से सोने की तस्करी कर रहे हैं। गुरुवार को रायपुर और नागपुर रेलवे सुरक्षा बल क्राइम ब्रांच की टीम ने राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) और रेलवे सुरक्षा बल क्राइम ब्रांच की टीम ने हावड़ा-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस से 1.242 किलो सोना जब्त किया है। ट्रेन के

बी-12 कोच में तलाशी के दौरान 7 सोने के बिस्किट और एक सोने की छड़ बरामद किया गया, जिसकी कीमत करीब 2 करोड़ बताई जा रही है। इस गोल्ड के साथ महाराष्ट्र के सुरेश कुमार और धैर्यशील को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों इस सोने को हावड़ा से महाराष्ट्र ले जा रहे थे। दरअसल, आरपीएफ क्राइम ब्रांच नागपुर के निरीक्षक को सूचना मिली थी कि ट्रेन नंबर 12262 हावड़ा-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस में दो लोग सोना लेकर जा रहे हैं।

सूचना मिलते ही आरपीएफ क्राइम ब्रांच रायपुर और नागपुर की टीम को डीआरआई नागपुर के अधिकारियों के साथ जांच के लिए लगाया गया। संयुक्त टीम ने रायपुर से नागपुर के बीच ट्रेन में तलाशी शुरू की। तलाशी के दौरान बी-12 कोच में दो संदिग्ध सुरेश कुमार और धैर्यशील मिले। दोनों को भंडारा-नागपुर के बीच पकड़ लिया गया। दोनों की तलाशी लेने पर 7 सोने के बिस्किट और एक सोने की छड़ मिली। कुल वजन करीब 1.242 किलो था। जांच में इसे विदेशी सोना बताया गया है। डीआरआई नागपुर ने सुरेश कुमार और धैर्यशील के खिलाफ कस्टम एक्ट, 1962 की धारा 135 के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। उन्हें कोर्ट में पेश करने की प्रक्रिया भी की जा रही है। अब डीआरआई यह पता लगाने में जुटी है कि सोना कहां से लाया गया था और इसे किसे पहुंचाया जाना था। एजेंसी इस मामले से जुड़े दूसरे लोगों और सोने की तस्करी के नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की तबीयत बिगड़ी बेचैनी महसूस होने पर एम्स में हुए भर्ती

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा को अस्वस्थ महसूस होने पर दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें 13 अगस्त की शाम को बेचैनी महसूस हुई थी। डॉक्टरों ने उनकी तत्काल जांच की, जिसमें हृदय संबंधी परीक्षण भी शामिल थे। मंत्री नड्डा को बेचैनी की शिकायत के बाद तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

एम्स के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने उनकी गहन जांच की। इस जांच प्रक्रिया में

हृदय की नसों का एंजियोग्राफी टेस्ट भी शामिल था। यह परीक्षण हृदय की धमनियों की स्थिति का आकलन करने के लिए किया जाता है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि सभी आवश्यक चिकित्सा प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है। उनकी हालत अभी स्थिर बताई जा रही है, जो एक राहत की बात है। उन्हें एम्स के कार्डियोलॉजी विभाग में विशेष निगरानी में रखा गया है।

छत्तीसगढ़ में बदलेगा मौसम का मिजाजः भारी बारिश का अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से मौसम ने करवट ली है। नए मौसम तंत्र के प्रभाव से प्रदेश में मानसून अगले तीन दिनों तक सक्रिय सा रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, खास तौर पर उत्तरी और मध्य छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में आने वाले 48 घंटे के भीतर बारिश की संभावना बनी रहेगी। कुछ जगहों पर भारी बारिश के साथ तेज हवा और बिजली गिरने की संभावना भी बताई गई है। शुक्रवार को राजधानी रायपुर में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। सुबह से ही बूंदाबांदी हो रही है। इसके साथ ही प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हो रही है।

संपादकीय

लालच का जानलेवा खेल

ऑनलाइन गेमिंग पर नियंत्रण करे सरकार

पंजाब स्थित नवांशहर के एक गांव में ऑनलाइन गेमिंग में बड़ी रकम हारने के सदमे में एक युवक व दो किशोरों का जहर खा लेना विचलित करने वाली घटना है। बाद में युवक व एक किशोर की मौत हो गई। निस्संदेह, ऑनलाइन गेम के लालच में किशोर-युवा विवेक खो देते हैं। लत लगाने वाले ये जहरीले खेल सुनहरे सपने तो दिखाते हैं, लेकिन हकीकत बेहद खुरदरी है। कहना कठिन है कि ऑनलाइन खेलों को कितने पारदर्शी तरीके व ईमानदारी के साथ संचालित किया जाता है। बहुत संभव है कि ये गेम भी ऑनलाइन फ्रॉड संस्कृति का ही हिस्सा हों, जो संचालकों के मुनाफे के लिये ही संचालित होते हों। बहरहाल, किशोर व युवक द्वारा मोटी रकम हारने के बाद खुदकशी करना परिवार, समाज व देश की बड़ी क्षति है। आखिर 21 साल व पंद्रह साल की उम्र कितनी होती है? पूरा जीवन सामने होता है। जीवन चंद रुपये हारने से ज्यादा कीमती होता है। छोटी हार के बाद बड़ी जीत की संभावनाएं बनी रहती हैं। विडंबना ही है कि हम हादसों में मरने वालों की संख्या को महज एक आंकड़े की तरह देखते हैं। लेकिन इस आत्मघात से इन परिवारों जो चोट पहुंची होगी, उसकी कल्पना करना कठिन नहीं है। एक बच्चे को जन्म देने से लेकर पालने-पोसने तक माता-पिता पूरा जीवन लगा देते हैं। उनसे बड़ी उम्मीदें होती हैं। मगर जब बच्चे आत्महत्या जैसा कदम उठाते हैं तो परिवार पूरी तरह टूट जाता है। बच्चा तो आत्महत्या कर लेता है, लेकिन परिवार को रोज तिल-तिल कर मरने को छोड़ देता है। दरअसल, आज मोबाइल दुधारी तलवार जैसे हो गए हैं। सूचना-संवाद तो देते हैं, साथ ही तमाम आघातों की आशंकाएं भी रहती हैं। जो मोबाइल बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई और संवाद के लिये दिये जाते हैं, उसका दुरुपयोग बच्चे ऑनलाइन गेमिंग व वर्जित सामग्री देखने के लिये करने लगे हैं। पुरानी पीढ़ी बेबस है कि वे बच्चों की निगरानी कैसे करें वे पढ़ रहे हैं या गेम खेल रहे हैं?

> “ बहरहाल, किशोर व युवक द्वारा मोटी रकम हारने के बाद खुदकशी करना परिवार, समाज व देश की बड़ी क्षति है। आखिर 21 साल व पंद्रह साल की उम्र कितनी होती है? पूरा जीवन सामने होता है। जीवन चंद रुपये हारने से ज्यादा कीमती होता है। छोटी हार के बाद बड़ी जीत की संभावनाएं बनी रहती हैं। विडंबना ही है कि हम हादसों में मरने वालों की संख्या को महज एक आंकड़े की तरह देखते हैं। लेकिन इस आत्मघात से इन परिवारों जो चोट पहुंची होगी, उसकी कल्पना करना कठिन नहीं है। एक बच्चे को जन्म देने से लेकर पालने-पोसने तक माता-पिता पूरा जीवन लगा देते हैं।

दरअसल, देश-दुनिया में नई पीढ़ी के जीवन में तेजी से बदलाव आ रहे हैं। नित नई तकनीक हमारे दरवाजों पर दस्तक दे रही है, लेकिन हम उसके नकारात्मक दुष्प्रभावों से बच नहीं पा रहे हैं। उपभोक्तावादी संस्कृति समाज में इतनी गहरे तक घर कर गई है कि हर कोई रातों-रात अमीर बनने के सपने देखने लगा है। सोच है कि जैसे-तैसे पैसा कमाकर अमीर बना जाए। नवांशहर की घटना में पंद्रह साल के किशोर को आखिर क्यों ऑनलाइन गेमिंग से कमाई करने की ललक पैदा हुई? गेम खेलना बुरी बात नहीं है लेकिन उसका लत बनना घातक है। ये किशोर के खेलने-खाने की उम्र थी, लेकिन मैदान के खेल। लेकिन लालच के गेम में उलझकर आखिर वह क्या पाना चाह रहा था? जाहिर है पंद्रह साल के बच्चे की पढ़ाई-लिखाई से लेकर अन्य खर्चे तक मां-बाप ही उठाते हैं। आशंका हो सकती है कि किशोर परिवार के किसी व्यक्ति के खाते से रकम निकालकर ऑनलाइन गेमिंग में हार गए हों। फिर परिवार की सख्त प्रतिक्रिया के भय से ही उन्होंने आत्महत्या करने का दुखद फैसला लिया हो। बहरहाल, तकनीक के जरिये तेजी से बदलती दुनिया में बच्चों का सामंजस्य स्थापित करना अभिभावकों के लिये बड़ी चुनौती बनी हुई है। पुरानी पीढ़ी के मां-बाप बच्चों की खुशी के लिये उन्हें मोबाइल व इंटरनेट की सुविधा तो उपलब्ध करा देते हैं, मगर इसके घातक प्रभावों की वे भी कल्पना नहीं कर पाते। कोई मां-बाप नहीं चाहता कि उनका बच्चा बुरी आदत का शिकार बने, लेकिन यार-दोस्तों की संगत में रहकर वे अकसर भटक जाते हैं। इस घटना में 21 साल के युवक के साथ पंद्रह साला दो बच्चों का भी जहर खाना कई सवालों को जन्म दे जाता है। आखिर क्या युवक के साथ किशोर भी ऑनलाइन गेमिंग की लत के शिकार थे? क्या उन्होंने अपने घर से पैसे लाकर युवक को ऑनलाइन गेमिंग में बाजी लगाने को दिए? फिर गेम हारने पर पैसा गंवाने के भय से उन्होंने आत्मघाती कदम उठाया? बहरहाल, केंद्र व राज्य सरकारों को पैसे वाली ऑनलाइन गेमिंग के नियमन के लिये गंभीर पहल करनी चाहिए। ताकि फिर किसी परिवार के फूल न मुर्झाएं।

चिप्स से एआई तकः भारत की टेक्नोलॉजी लीडरशिप का निर्माण

सेमीकंडक्टर और एआई क्रांति

सेमीकंडक्टर आधुनिक तकनीक की नींव हैं, जो स्मार्टफोन और गाड़ियों से लेकर सैटेलाइट और एआई सिस्टम तक हर चीज़ को चलाते हैं। एआई अब एडवांस्ड चिप्स, खास प्रोसेसर और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग की मांग को बढ़ा रहा है, जिससे ये दोनों तकनीक एक-दूसरे से गहराई से जुड़ गई हैं। इसी जुड़ाव को समझते हुए, भारत चिप डिज़ाइन और विनिर्माण से लेकर कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वदेशी एआई मॉडल तक अपनी क्षमताएं विकसित कर रहा है। सरकार द्वारा की जा रही पहलें दोनों क्षेत्रों में एक ऐसी एकीकृत तकनीक व्यवस्था बना रही हैं, जो आत्मनिर्भरता, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और नवाचार को बढ़ावा देता है। यह जुड़ाव आधुनिक विनिर्माण, शोध, उद्यमिता और उच्च मूल्य वाले रोज़गार के नए अवसर भी खोल रहा है। जब भारत अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, तो ये क्षमताएं वैश्विक तकनीक नेतृत्व और विकसित भारत की दिशा में एक निर्णायक कदम हैं।

सेमीकंडक्टरः तकनीकी आत्मनिर्भरता की नींव

भारत सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में घरेलू क्षमताएं विकसित कर रहा है, इसमें चिप डिज़ाइन और फैब्रिकेशन से लेकर उन्नत पैकेजिंग, उपकरण और सामग्री तक सब कुछ शामिल है। आज घरेलू क्षमताओं को मजबूत करके, भारत भविष्य की तकनीकों को आकार देने की स्थिति में आ रहा है।

एक समर्पित मिशन ने आत्मनिर्भरता की नींव रखी

सेमीकॉन 1.0 ने भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को बनाने के लिए 76,000 करोड़ के बजट के साथ नींव रखी। यह पूरी मूल्य श्रृंखला को मदद करता है, जिसमें चिप डिज़ाइन, फैब्रिकेशन, पैकेजिंग, टेस्टिंग, उपकरण, सामग्री और कुशल प्रतिभाएं शामिल हैं। सेमीकॉन 2.0 इस नींव को वैश्विक व्यवस्था के नेतृत्व में बदल रहा है और इसके लिए जुलाई 2026 में 1,27,500 करोड़ के बजट को मंज़ूरी दी गई। यह एकीकृत दृष्टिकोण आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती बढ़ाता है, घरेलू मूल्यवर्धन को विस्तारित करता है और भारत को भविष्य में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अग्रणी स्थान दिलाता है।

नीति से सेमीकंडक्टर निर्माण तक

* छह राज्यों में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंज़ूरी दी गई है, जिनमें 1.64 लाख करोड़ से अधिक का निवेश शामिल है।

परियोजनाओं में सिलिकॉन और कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब्स, डिस्प्ले फैब्रिकेशन और उन्नत पैकेजिंग सुविधाएं शामिल हैं।

तीन सुविधाओं में पहले ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो चुका है, जो सेमीकंडक्टर नीति से विनिर्माण की ओर भारत के बदलाव का संकेत है। सेमीकंडक्टर सुविधाएं ऑटोमोबाइल, दूरसंचार, एयरोस्पेस, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए महत्वपूर्ण घटकों की आपूर्ति करेंगी। सेमीकंडक्टर फैब्स संयंत्र कच्चे सिलिकॉन वेफर्स को कार्यशील एकीकृत सर्किट और माइक्रोचिप्स में परिवर्तित करते हैं। डिस्प्ले फैब्रिकेशन संयंत्र फोन, कारों और गैजेट्स आदि के लिए फ्लैट और फ्लेक्सिबल स्क्रीन बनाते हैं। उन्नत पैकेजिंग विधियां संवेदनशील चिप्स को कवर, वायर और शील्ड करती हैं, ताकि वे तेजी से काम कर सकें और लंबे समय तक चल सकें।

स्वदेशी सेमीकंडक्टर डिज़ाइन क्षमताओं का विकास

भविष्य की कार्यबल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, सरकार ने चिप्स टू स्टार्टअप जैसी पहलों के माध्यम से सेमीकंडक्टर कौशल विकास को प्राथमिकता दी है। इसके तहत 320 शैक्षणिक संस्थानों में इलेक्ट्रॉनिक डिज़ाइन ऑटोमेशन टूल्स उपलब्ध कराए गए हैं। 68,000 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षित किया गया है, जिससे उन्नत चिप-डिजाइन क्षमताओं तक पहुंच बढ़ी है। अधिक जानकारी के लिए पढ़ें: चिप्स टू स्टार्ट-अप (सी2एस) कार्यक्रम

इलेक्ट्रॉनिक डिज़ाइन ऑटोमेशन (ईडीए)

ईडीए उपकरण सेमीकंडक्टर चिप्स को डिज़ाइन, सिमुलेट, सत्यापित और अनुकूलित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सॉफ्टवेयर प्लेटफार्म हैं। ये जटिल चिप डिज़ाइनों का प्रबंधन करते हैं, निर्माण से पहले त्रुटियों का पता लगाते हैं और प्रदर्शन, बिजली दक्षता और विश्वसनीयता में सुधार करते हैं। डिज़ाइन समय, लागत और निर्माण जोखिमों को कम करके, ईडीए उपकरण विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए उन्नत चिप्स के तीव्र विकास को सक्षम बनाते हैं।

अप्रैल 2026 तक 75 संस्थानों द्वारा 211 चिप डिज़ाइनों का टेप-आउट किया गया, जो घरेलू चिप डिज़ाइन क्षमताओं के विस्तार को दर्शाता है। 7 चिप्स का सफलतापूर्वक निर्माण विभिन्न नोड्स पर किया गया है, जिसमें 12 नैनोमीटर जैसे उन्नत नोड्स भी शामिल, सेमीकॉन 2.0 का मकसद सेमीकंडक्टर आईपी, चिप और सिस्टम डिज़ाइन को और बढ़ावा देना है, जिससे वैश्विक सेमीकंडक्टर डिज़ाइन हब के तौर पर भारत की स्थिति मज़बूत होगी।

अमेरिका, जापान, सिंगापुर, नीदरलैंड, जर्मनी और यूरोपीय संघ के साथ वैश्विक साझेदारी से तकनीकी सहयोग और व्यवस्था का तेज़ी से विकास हो रहा है। सेमीकॉन इंडिया 2025 में 48 देशों और क्षेत्रों से 350 से ज़्यादा प्रदर्शक और प्रतिभागी शामिल हुए, जिससे वैश्विक सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की भागीदारी मज़बूत हुई।

इस कार्यक्रम में 35,000 पंजीकरण, 30,000 लोगों की मौजूदगी और 25,000 ऑनलाइन व्यूअर्स दर्ज किए गए, जो भारत के सेमीकंडक्टर लक्ष्यों में दुनिया की गहरी दिलचस्पी को दिखाते हैं।

उत्पाद विकास, सेवाओं और सेमीकंडक्टर कौशल विकास को मज़बूत करने के लिए 12 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) की घोषणा की गई। ये साझेदारी भारतीय कंपनियों को वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला से जोड़ने और घरेलू क्षमताओं को तेज़ी से बढ़ाने में मदद कर रही हैं।

लगभग 10,372 करोड़ के परिव्यय के साथ स्वीकृत इंडियाएआई मिशन ने पिछले एक वर्ष में महत्वपूर्ण प्रगति की है। मिशन का उद्देश्य ऐसी क्षमताओं का निर्माण करना है, जो सुरक्षित, समावेशी और भारतीय आवश्यकताओं पर आधारित हों। इसका लक्ष्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नवाचार, आर्थिक विकास और सार्वजनिक सेवा वितरण के लिए एक रणनीतिक क्षमता बनाना है।

बड़े पैमाने पर सार्वभौम एआई कंप्यूटिंग क्षमता

इंडियाएआई मिशन ने जून 2026 तक, साझा कंप्यूटिंग क्षमता को 45,000 से अधिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स तक बढ़ाया है। अगस्त 2026 तक, 237 परियोजनाओं ने सब्सिडी वाली AI कंप्यूटिंग का लाभ उठाया, जिसमें 93.18 लाख तक्क घंटे शामिल हैं। इससे AI मॉडल के विकास, प्रशिक्षण, परीक्षण और अनुसंधान के लिए किफायती उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग उपलब्ध हो रही है। इससे भारतीय शोधकर्ताओं, स्टार्टअप्स और नवोन्मेषकों के लिए उन्नत AI कंप्यूटिंग तक पहुंच आसान हो रही है।

जीपीयू एक खास तरह का इलेक्ट्रॉनिक प्रोसेसर है, जिसे ग्राफिक्स, इमेज प्रोसेसिंग और डेटा से जुड़े भारी कंप्यूटिंग कामों को तेज़ी से करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जीपीयू का इस्तेमाल कंप्यूटर, स्मार्टफोन, सर्वर और दूसरे डिजिटल डिवाइस में बड़े पैमाने पर किया जाता है।

प्रयोगशालाओं से वास्तविक दुनिया के शासन तक

अगस्त 2026 तक, IndiaAI पहलों के तहत 62 एआई प्रोटोटाइप विकसित किए गए हैं और सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों में 20 एआई समाधान लागू किए गए हैं। 11 राष्ट्रीय स्तर के हैकाथॉन और नवाचार चैलेंज, विचारों से लेकर लागू किए जा सकने वाले समाधानों तक की प्रक्रिया को और आगे बढ़ा रहे हैं।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के ज़रिए इनोवेशन

अगस्त 2026 तक, अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 58 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (एआई सीओई) को मंज़ूरी दी गई है।

13 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 22 सीओई को पहले ही मंज़ूरी मिल चुकी है और उन पर काम शुरू हो गया है। ये केंद्र खास क्षेत्रों में शोध, नवाचार और एप्लीकेशन डेवलपमेंट को मज़बूत कर रहे हैं।

एमएसएमई तंत्र को मजबूत करने के लिए सुधारों का अगला चरण

जीतन राम मांझी

संसद के दोनों सदनों द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 का पारित होना, एमएसएमई के लिए भारत के कानूनी ढांचे को तेज़ी से बदलते तंत्र के अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मूल अधिनियम के बाद से पिछले दो दशकों में, लाखों उद्यम औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बने हैं और एमएसएमई राष्ट्रीय विकास, निर्यात और रोज़गार सृजन में अहम योगदान देने वाले बन गए हैं। इस संशोधन का उद्देश्य एमएसएमई इकोसिस्टम को ज़्यादा संवेदनशील और भरोसे पर आधारित बनाना है। इससे पंजीकरण आसान होगा, वर्गीकरण बेहतर होगा, ऋण तक पहुंच और समय पर भुगतान आसान होगा, विवादों का निपटारा डिजिटल और तेज़ होगाऔर नियमों का पालन आसान होगा।

इस संशोधन में उद्यमों के मुफ्त और स्वैच्छिक पंजीकरण के लिए एक राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रावधान किया गया है। इससे कई तरह की बाधाएं दूर होंगी और सरकार को बेहतर तरीके से लाभ पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। अधिनियम के तहत पंजीकरण एक पात्रता है, जिसका दावा कोई भी कंपनी कर सकती है, यह कोई बाध्यता नहीं है।

यह संशोधन संयंत्र, मशीनरी या उपकरणों में निवेश और कारोबार के संयुक्त मानदंडों के आधार पर उद्यमों के वर्गीकरण के लिए एक स्पष्ट फ्रेमवर्क प्रदान करता है। इस वर्गीकरण से फ्रेमवर्क को प्रौद्योगिकी, लागत, बाजार और व्यवसाय मॉडल में आने वाले बदलावों के अनुसार तेज़ी से ढाला सकता है और यह केंद्र सरकार को अधिसूचना के माध्यम से इसकी सीमाओं को निर्धारित करने का अधिकार देता है।

ज़्यादातर एमएसएमई के लिए सबसे बड़ी चिंता नियमित नकद प्रवाह की होती है, क्योंकि किसी छोटे उद्यम का एक भी भुगतान न मिलने का व्यापक असर कर्मचारियों के समय पर वेतन, कच्चे माल की खरीद और अगले ऑर्डर को स्वीकार करने पर पड़ता है, जिससे भुगतान में देरी होने से कंपनी के काम करने और आगे बढ़ने की क्षमता पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए इस संशोधन में इस समस्या को तीन चरणों – रोकथाम, समाधान और कार्यान्वयन के माध्यम से दूर करने की कोशिश की गई है।

रोकथामः यह केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए ‘ट्रेड्स’ (टीआरइडीएस) के माध्यम से एमएसएमई से संबंधित रसीद (इनवॉइस) के भुगतान और जानकारी देने को अनिवार्य बनाकर पारदर्शिता लाता है। राज्य सरकारें भी यही नियम अपने राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों पर लागू कर सकती हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित एक डिजिटल प्लेटफॉर्म होने के नाते, ‘ट्रेड्स’ एक स्वीकृत इनवॉइस के आधार पर बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों से तुरंत वित्तपोषण प्राप्त करने की सुविधा देता है।

इससे आपूर्तिकर्ता को अग्रिम भुगतान मिल जाता है, जबकि खरीदार तय तिथि पर बैंक या वित्तीय संस्थान को भुगतान चुकता करता है। इस प्रकार, रिसिवेबल्स (मिलने वाली रकम) आपूर्तिकर्ता के लिए लिक्विडिटी का ज़रिया बन जाता है, जिससे कंपनी को अपने कामकाज का प्रबंधन करने, बिलों का भुगतान करने और व्यवसाय को आगे बढ़ाने में आसानी होती है।

समाधानः यह इस अधिनियम के विवाद-समाधान फ्रेंमवर्क को और अधिक मजबूत करता है। यह राज्य सरकारों को मध्यस्थता और सुलह के लिए अतिरिक्त ‘सूक्ष्म और लघु उद्यम सुविधा परिषदों’ की स्थापना करने में सक्षम बनाता है। यह मध्यस्थता और सुलह के लिए समय-सीमा निर्धारित करता है तथा ऑनलाइन विवाद-समाधान को वैधानिक मान्यता प्रदान करता है। इससे मामलों का तेजी से निपटारा होगा और एक ऐसी व्यवस्था तैयार होगी जिससे कंपनी प्रक्रिया और समय-सीमा की निश्चितता के साथ अपने जायज़ दावों को पेश कर सकेगी।

कार्यान्वयनः ‘सुविधा परिषदों’ द्वारा दिए गए निर्णय के तहत मिलने वाली रकम को ज़मीन के लगान की बकाया राशि की तरह वसूला जा सकता है। यदि कोई खरीदार किसी फैसले को अदालत में चुनौती देना चाहता है, तो उसे तय राशि का 75 प्रतिशत अदालत में जमा कराना होगा और यदि वह चुनौती छह महीने तक लंबित रहती है, तो अदालत उस जमा राशि में से आधी राशि आपूर्तिकर्ता को जारी कर सकती है।

इतिहास का क्रूर अध्याय - विभाजन की विभीषिका

वंदना चौधरी

15 अगस्त 1947 की प्रभात भारतीय के इतिहास में केवल एक राजनीतिक तिथि या तिथियों का हेर-फेर मात्र नहीं थी। यह शताब्दियों की अमानवीय औपनिवेशिक परतंत्रता, दमन, शोषण और पराधीनता की बेड़ियों को अपनी अटूट इच्छाशक्ति से काट फेंकने का एक युगांतरकारी क्षण था। लाल किले की प्राचीर से गूंजती ‘स्वतंत्रता की हुंकार’ और ‘नियति का वार’ जो पल हर भारतीय के हृदय में स्वाभिमान का नवसंचार कर रहा था। किंतु, स्वतंत्रता के इस स्वर्णिम सूर्योदय के साथ ही एक ऐसी भयावह और गहरी छाया भी उभरी, जिसने इस अखंड भारत की आत्मा को लहूलुहान कर दिया।

एक तरफ जहाँ स्वतंत्रता का उल्लास था, तो दूसरी ओर सीमाओं के दोनों तरफकरोड़ों लोगों के लिए वह रात जीवन के सबसे घने और कभी न खत्म होने वाले अंधकार की शुरुआत बनी। स्वतंत्रता और विभाजन—ये दोनों भारत के भाग्य में एक साथ लिखे गए थे। एक ही देश की छाती पर रातों-रात खींची गई कृत्रिम रेखाओं ने सदियों से साथ सांस ले रही सांझी संस्कृति, सभ्यता, भाषा और पारिवारिक रिश्तों को छिन्न-भिन्न कर दिया।

विभाजन की यह विभीषिका केवल सीमाओं का पुनर्गठन नहीं थी; यह मानवता के इतिहास का सबसे बड़ा विस्थापन, सबसे क्रूर जनसंहार और सांस्कृतिक विनाश का एक ऐसा काला अध्याय था, जिसकी कसक आज भी भारतीय चेतना में स्पंदित होती है।

विभाजन की यह त्रासदी कोई अचानक घटी दुर्घटना नहीं थी, न ही यह केवल 1947 के कुछ महीनों का तात्कालिक परिणाम थी। इसके पीछे ब्रिटिश साम्राज्य की दो शताब्दियों की कुटिल फूट डालो और राज करो की सुव्यवस्थित नीति काम कर रही थी।

1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में जब हिंदू और मुसलमानों ने कंधे से कंधा मिलाकर ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिला दी, तो अंग्रेजों को यह समझ आ गया कि इस देश पर राज करने का एकमात्र तरीका इसकी सामाजिक और धार्मिक एकता को तोड़ना है। 1905 में लॉर्ड कर्जन द्वारा प्रशासनिक सुधारों के छद्म नाम पर किया गया बंगाल का धार्मिक विभाजन इस कुत्सित योजना का पहला स्पष्ट प्रहार था। यद्यपि उग्र जन-आंदोलन और स्वदेशी आंदोलन के दबाव में 1911 में बंगाल विभाजन को रद्द करना पड़ा, लेकिन नफरत और पृथकतावाद का जो बीज बोया जा चुका था, वह धीरे-धीरे अंकुरित होता रहा।

मार्ले-मिंटो सुधारों का अध्याय भारतीय राजनीति में एक निर्णायक मोड़ था। 1909 में लागू इन सुधारों ने पहली बार धर्म के आधार पर पृथक निर्वाचक मंडल की व्यवस्था की। यह कदम केवल प्रशासनिक सुधार नहीं था, बल्कि अंग्रेजों की सुनियोजित नीति का हिस्सा था, जिसके माध्यम से उन्होंने भारतीय समाज की एकता को तोड़ने का प्रयास किया।नेताओं और संगठनों ने अपने-अपने समुदायों के हितों को प्राथमिकता देना शुरू किया। यही वह बीज था जिसने आगे चलकर विभाजन की जमीन तैयार की।

मुस्लिम लीग की हठधर्मिता और ‘द्वि-राष्ट्र सिद्धांत’ भारतीय इतिहास के सबसे निर्णायक मोड़ों में से एक था। 1930 के दशक के उत्तरार्ध और 1940 के दशक में मोहम्मद अली जिन्ना के नेतृत्व में लीग ने इस विचार को आक्रामक रूप से प्रचारित किया कि हिंदू और मुसलमान केवल दो अलग-अलग समुदाय नहीं, बल्कि दो अलग-अलग राष्ट्र हैं। इस सिद्धांत ने भारतीय समाज की सांझी संस्कृति और सह-अस्तित्व की परंपरा को गहरी चोट पहुँचाई। जिन्ना का तर्क था कि दोनों समुदायों की संस्कृति, इतिहास और आकांक्षाएँ इतनी भिन्न हैं कि वे कभी एक साझा राष्ट्र में साथ नहीं रह सकते। इस विचार ने राजनीतिक विमर्श को और अधिक सांप्रदायिक बना दिया। स्वतंत्रता की ओर बढ़ते भारत में यह सिद्धांत एक खतरनाक विभाजनकारी शक्ति के रूप में उभरा।

प्रख्यात समाजवादी चिंतक और स्वतंत्रता सेनानी डॉ. राममनोहर लोहिया ने अपनी कालजयी पुस्तक में इस कटु सत्य को बेबाकी से उजागर किया। उन्होंने लिखा कि किस प्रकार तत्कालीन नेताओं की सत्ता प्राप्त करने की जल्दबाजी, ढलती उम्र की थकान और ब्रिटिश वायसराय की चालाकियों के आगे झुकने की प्रवृत्ति ने देश के टुकड़ों पर दस्तखत कर दिए। लोहिया का मानना था कि यदि नेतृत्व में थोड़ा धैर्य, दूरदर्शिता और दृढ़ता होती, तो शायद मानवता को इस ऐतिहासिक संहार से बचाया जा सकता था।

4 जून 1947 को ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा की कि भारत का विभाजन होगा और सत्ता का हस्तांतरण अगस्त में ही कर दिया जाएगा। इस घोषणा में जिस सहजता और सतहीपन से जनसंख्या के स्थानांतरण को स्वैच्छिक और शांतिपूर्ण बताया गया, वह न केवल बचकाना था बल्कि क्रूर भी।

विभाजन की सीमाओं को निर्धारित करने के लिए ब्रिटिश बैरिस्टर सिरिल रेडक्लिफ को बुलाया गया। यह तथ्य अपने आप में चौंकाने वाला है कि रेडक्लिफने इससे पहले कभी भारत का दौरा नहीं किया था। उसे इस देश के भूगोल, सामाजिक जटिलताओं, सांस्कृतिक ताने-बाने और मानवीय संवेदनाओं का कोई ज्ञान नहीं था। केवल कुछ हफ्तों के भीतर, बंद कमरों में बैठकर उसने नक्शों और पुरानी जनगणना के आंकड़ों के आधार पर पेंसिल से एक लकीर खींच दी।

उनके लिए यह केवल नक्शे पर खींची गई एक प्रशासनिक लकीर थी, जबकि वास्तविकता में यह करोड़ों लोगों के जीवन पर अमिट घाव बन गई। यही वह संवेदनहीनता थी जिसने विभाजन को केवल राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी त्रासदी में बदल दिया। इस लकीर की क्रूरता का आलम यह था कि इसने घरों को दो हिस्सों में बाँट दिया—कहीं आंगन भारत में रह गया और पिछवाड़ा पाकिस्तान में चला गया। सदियों से साथ खेती करने वाले किसानों के खेत एक देश में और उनके घर दूसरे देश में बँट गए। सबसे दुखद यह था कि सीमा रेखा का आधिकारिक ऐलान स्वतंत्रता के दो दिन बाद, 17 अगस्त को किया गया। सीमा रेखा की घोषणा होते ही पंजाब और बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में जो घटनाएँ घटीं, वे केवल राजनीतिक विभाजन का परिणाम नहीं थीं, बल्कि मानवता के पतन की सबसे भयावह तस्वीर थीं। अचानक खींची गई इस लकीर ने सदियों से साथ जी रहे समुदायों को एक-दूसरे के विरुद्ध खड़ा कर दिया। गाँवों में आगजनी, कस्बों में लूटपाट और शहरों में कत्लेआम का ऐसा तांडव शुरू हुआ, जिसकी कल्पना भी असंभव थी।

लाखों लोग अपने घर-परिवार से उखड़कर शरणार्थी बन गए। रेलगाड़ियाँ, जो कभी जीवन और आशा का प्रतीक थीं, जलती हुई लाशों से भरी भयावह गाड़ियों में बदल गईं। यह केवल दो गुटों का संघर्ष नहीं था, बल्कि मानवता की आत्मा पर लगा सबसे गहरा घाव था। निर्दोषों की हत्या, महिलाओं पर अमानवीय अत्याचार और बच्चों का विस्थापन इस त्रासदी की पहचान बन गए। विभाजन की इस हिंसा ने यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक निर्णय जब संवेदनहीनता और जल्दबाजी में लिए जाते हैं, तो उनकी कीमत केवल भूगोल नहीं चुकाता, बल्कि पूरी मानवता को अपने आँसुओं और रक्त से इतिहास लिखना पड़ता है।

महिलाओं पर हुए अमानवीय अत्याचार

महिलाओं पर हुए अत्याचार सबसे अमानवीय और दर्दनाक अध्याय थे। हिंसा में डूबी भीड़ ने उन्हें विरोधी पक्ष की प्रतिष्ठा और सम्मान का प्रतीक मानकर उनकी देह और आत्मा को रौंदा। बलात्कार, हत्या और अपहरण जैसे अपराध मानवता की आत्मा पर कलंक बन गए। बाद में सरकारों ने ‘अपहृत महिलाओं के पुनर्वास’ का प्रयास किया, लेकिन कई महिलाओं को अपने ही परिवारों ने अस्वीकार कर दिया, जिससे उनकी पीड़ा और गहरी हो गई।

इसके साथ ही विभाजन के बाद पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान (आज का बांग्लादेश) में बचे अल्पसंख्यक समुदायों को लगातार भेदभाव, जबरन धर्मांतरण और जनसांख्यिकीय ह्रास का सामना करना पड़ा।

शरणार्थियों की अदम्य इच्छाशक्ति

विभाजन की भीषण त्रासदी के बाद भारत आए शरणार्थियों ने अदम्य इच्छाशक्ति और पुरुषार्थ से राख के ढेर से पुनरुत्थान की गाथा लिखी। लाखों हिंदू और सिख परिवार राहत शिविरों में शरण लेने के बावजूद भीख माँगने के बजाय अपने श्रम और परिश्रम से नए जीवन की शुरुआत करने लगे। उद्योगपति और व्यापारी रेहड़ी-पटरी से कारोबार शुरू कर खड़े हुए, और दिल्ली, फरीदाबाद, कुरुक्षेत्र जैसे स्थान नए शहरों और व्यापारिक केंद्रों में बदल गए। इस पीढ़ी ने आर्थिक तंगी, भाषाई अजनबियत और सामाजिक विषमताओं को परास्त करते हुए कृषि, उद्योग, रक्षा, शिक्षा, खेल और राजनीति में अभूतपूर्व योगदान दिया। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि भूगोल और सीमाएँ बदली जा सकती हैं, लेकिन किसी राष्ट्र की जीवंत आत्मा, पुरुषार्थ और सांस्कृतिक जिजीविषा को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस -

वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस घोषित किया। इसका उद्देश्य केवल पुराने घावों को कुरेदना नहीं, बल्कि राष्ट्र को यह याद दिलाना है कि सांप्रदायिकता का विष कितना विनाशकारी होता है। यह दिवस राष्ट्रीय एकता के अमूल्य महत्त्व को रेखांकित करता है। जाति, पंथ, भाषा और क्षेत्रीय संकीर्णताओं से ऊपर उठकर भारत की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करना हर नागरिक का सर्वोपरि कर्तव्य है। साथ ही, यह उन लाखों अनाम बलिदानियों को श्रद्धांजलि देने का अवसर है, जिनका कोई इतिहास नहीं लिखा गया, जिनकी कोई समाधि नहीं बनी, लेकिन जिनके बलिदान स्वतंत्रता की नींव में समाहित हैं। आज का भारत विभाजन की आग को मात देकर आगे बढ़ रहा है। हर प्रकार के भेदभाव को मिटाकर अखंडता, करुणा, सौहार्द और राष्ट्रीय संप्रभुता के इस महायज्ञ में अपने कर्मों की आहुति दें।

जिनकी आहट से धरती थर्राई,
जिनकी वेदना से दिशाएँ सिसकाई।
जो उजड़े थे वो दीपक, आज इस
माटी का उजियारा हैं,
उस के संघर्षों से ही, राष्ट्र का स्वरूप
सँवारा है। रक्त-रंजित वो दिन
भुलाए न जाएँ,
अनाम बलिदान दीप बन जाएँ।
संकल्प यही, अखंडता रहे,
सौहार्द, करुणा सदा देश कहे।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

स्वतंत्रता दिवस पर जिला मुख्यालय के मुख्य समारोह में डिप्टी सीएम अरूण साव करेंगे ध्वजारोहण

दुर्ग। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरूण साव जिला मुख्यालय के मुख्य समारोह में प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल भिलाई (दुर्ग) में आयोजित स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के मुख्य समारोह में प्रात: 9 बजे ध्वाजारोहण करेंगे और परेड की सलामी लेंगे। इसके बाद परेड का निरीक्षण कर मुख्य अतिथि श्री साव मुख्यमंत्री जी के संदेश का वाचन करेंगे। कार्यक्रम में हर्ष फायर और मार्च पास्ट के बाद शालेय छात्र-छात्राओं द्वारा शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। मुख्य समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार मुख्य अतिथि अपने कर कमलों से पुरस्कार वितरण भी करेंगे।

जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 18 अगस्त को

भिलाई। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, दुर्ग तथा शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई), दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 18 अगस्त 2026 को एक दिवसीय जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, दुर्ग के प्रांगण में आयोजित होगा। प्राप्त जानकारी अनुसार, इस रोजगार मेले के माध्यम से निजी क्षेत्र के कुल 07 नियोजकों द्वारा 10वीं, 12वीं, स्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा एवं इंजीनियरिंग उत्तीर्ण तकनीकी तथा गैर-तकनीकी योग्यताधारी आवेदकों के लिए कुल 586 विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले से संबंधित रिक्तियों का विस्तृत विवरण विभागीय वेबसाइट www.erojgar.cg.gov.in एवं छत्तीसगढ़ रोजगार ऐप पर उपलब्ध कराई गई है। इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी ई-रोजगार पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध पदों की जानकारी प्राप्त कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थियों के लिए छत्तीसगढ़ रोजगार विभाग के ई-रोजगार पोर्टल पर रोजगार पंजीयन होना अनिवार्य है।

जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक 17 अगस्त को

भिलाई। अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1995 एवं संशोधन नियम 2016 के क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में 17 अगस्त को 4 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में पुलिस विभाग एवं विशेष लोक अभियोजक की प्रथम त्रैमासिक बैठक का पालन प्रतिवेदन पर चर्चा, पुलिस विभाग द्वारा दर्ज प्रकरणों एवं विशेष लोक अभियोजक के न्यायालीयन प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी।

जब हरेली पर न्याय पहुंचा गांव की गलियों तक, बैलगाड़ी बनी Justice on Wheels

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हरेली का त्योहार था, गाँव निकुम में सुबह का माहौल कुछ अलग था। इस बार खेत-खलिहान के साथ न्याय और कानून का संदेश भी गाँव की गलियों में उतरने वाला था। ग्राम पंचायत भवन से शुरू हुई इस अनूठी पहल में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में स्थायी लोक अदालत की अध्यक्ष सुषमा लकड़ा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट भूपेश कुमार बसंत एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव उमेश कुमार भागवतकर ग्रामीणों के बीच पहुँचे। न्यायिक अधिकारियों तथा प्रशिक्षित कम्यूनिटी मीडियेटर्स ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए बताया कि हर छोटी बात को विवाद और हर विवाद को मुकदमे में बदलना जरूरी नहीं कई समस्याओं का समाधान बातचीत, समझ और आपसी सहमति से भी संभव है।

इसके बाद शुरू हुआ कार्यक्रम का सबसे अनोखा अध्याय। कोई महँगा प्रचार वाहन नहीं, कोई बड़ी स्क्रीन नहीं। हरेली की सजी-धजी पारंपरिक बैलगाड़ी बनी Justice on Wheels। बैलगाड़ी में न्यायिक अधिकारी सवार हुए तथा कम्यूनिटी मीडियेटर्स, ग्रामीण, कल्याण लॉ कॉलेज के अध्यापक एवं विद्यार्थी तथा पैरालीगल वालेंटियर्स के साथ गाँव की गलियों एवं मोहल्लों में निकल पड़े। रास्ते में लोगों से संवाद हुआ, कानूनी अधिकारों की जानकारी दी।

इस पहल की खासियत यही थी कि न्याय की जानकारी स्वयं गाँव तक पहुँची। परंपरा और नवाचार का यह मेल ग्रामीणों के लिए आकर्षण का केंद्र बना और युवाओं ने भी इसे उत्साह के साथ अपनाया। इस पहल से यह संदेश गया कि न्याय की शुरुआत कभी-कभी न्यायालय की इमारत से नहीं, बल्कि गाँव की चौपाल और एक सार्थक संवाद से होती है। यह पहल सामुदायिक मध्यस्थता व सशक्त समाज की दिशा में एक अभिनव कदम है

देशभक्ति की भावना और उत्साह के साथ निकली तिरंगा यात्रा

घर-घर तिरंगा के प्रति किया जागरूक, वंदेमातरम के उद्घोष से गूंजी शहर की सड़के और गली-मोहल्ले

■ **स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव और विधायक ललित चंद्राकर हुए शामिल**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग–भिलाई। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर आम नागरिकों में देशभक्ति और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान जागृत करने के उद्देश्य से जिले में 9 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक हर घर तिरंगा यात्रा अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा शासकीय झाडूराम देवांगन विद्यालय मैदान से प्रारंभ होकर इंदिरा मार्केट रोड होते हुए शहीद चौक दुर्ग में समापन हुई।

अति उत्साह के साथ देशभक्ति से ओत-प्रोत तिरंगा यात्रा की दो किलोमीटर पैदल रैली में स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव, दुर्ग ग्रामीण विधायक व छ.ग. राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर, नगर निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे एवं श्री सुरेन्द्र कौशिक सहित अन्य जनप्रतिनिधि, नगर के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी, अधिकारी/कर्मचारी एवं शहरवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

यह यात्रा जेआरडी स्कूल मैदान से प्रारंभ होकर इंदिरा मार्केट रोड होते हुए शहीद चौक दुर्ग पहुंची। यहां पर राष्ट्र गीत, राष्ट्रगान और राज्य गीत गायन के साथ संपन्न हुई। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्कूली विद्यार्थियों, अधिकारी/कर्मचारियों, गणमान्य नागरिकों, मीडिया प्रतिनिधियों तथा स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारियों ने साथ में राष्ट्रध्वज लेकर उत्साह से भाग लिया। नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर रैली में शामिल लोगों का स्वागत किया।

रैली में शामिल लोगों ने देश-भक्ति भावना से ओत-प्रोत देश-भक्ति के नारे लगाये। केन्द्रीय संसदीय मंत्रालय तथा छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग के निर्देश पर वंदे मातरम् की 150 वर्ष पूर्ण होने पर जिला स्तरीय तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। जवाहर लाल नेहरू सेजेस विद्यालय खुर्सीपार की बैंड टोली के छात्रों ने राष्ट्रगीत की धुन पर वाद्य यंत्र बजाते हुए रैली में मार्चपॉस्ट किया।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत बीएसएफने निकाली तिरंगा रैली, पौधरोपण व नशा मुक्ति का दिया संदेश

भिलाई। 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' एवं स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सामरिक मुख्यालय (विशेष-संक्रिया), बीएसएफ छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में विभिन्न जन-जागरूकता एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, पर्यावरण संरक्षण तथा नशा मुक्ति का संदेश आमजन तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बीएसएफ के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर दशहरा मैदान, रिसाली सेक्टर से रजनीकांत चौक आजाद मार्केट तक भव्य तिरंगा रैली निकाली।

हाथों में तिरंगा लेकर निकली इस रैली में बड़ी संख्या में बीएसएफ कार्मिकों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के दौरान देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश देते हुए आमजन को अपने-अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया गया। इसी क्रम में सेक्टर-8, भिलाई नगर में स्थानीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं बीएसएफ कार्मिकों की सहभागिता से वृहद पौधरोपण अभियान आयोजित किया गया। 'एक पेड़ माँ के नाम' एवं पर्यावरण संरक्षण की भावना के अनुरूप विद्यार्थियों एवं बीएसएफ के जवानों ने मिलकर पौधारोपण किया तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों एवं स्थानीय नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया।

सेल सीएमडी डॉ. अशोक कुमार पंडा ने की सीएम साय से मुलाकात

भिलाई। सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) डॉ. अशोक कुमार पंडा ने बीएसपी दौरे के बीच रायपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य भेंट की। सीएमडी ने इस दौरान रायपुर में मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन श्री विकास शील, अतिरिक्त मुख्य सचिव (वन एवं जलवायु परिवर्तन) आईएएस श्री मनोज कुमार पिंगुआ, मुख्यमंत्री के मुख्य सचिव आईएएस सुबोध कुमार सिंह तथा मुख्यमंत्री के सचिव एवं सचिव (वित्त) आईएएस मुकेश कुमार बंसल से भी मुलाकात की और विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने रावघाट क्षेत्र में पूर्ण पैमाने पर खनन परिचालन को शीघ्र पूरा करने तथा दल्ली राजहरा-रावघाट-जगदलपुर रेल परियोजना को गति देने की आवश्यकता पर भी विशेष बल दिया। अपने दौरे के क्रम में सीएमडी डॉ. अशोक कुमार पंडा ने सेल-बीएसपी की रावघाट खदानों का दौरा किया और वहां संचालित खनन गतिविधियों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों का किया गया अंतिम रिहर्सल छात्राओं ने दी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

■ **जिला आयुष अधिकारी ने निभाई मुख्य अतिथि की भूमिका**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला मुख्यालय में गरिमामय स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन के लिए आज कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल की मौजूदगी में तैयारियों का अंतिम रिहर्सल किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्रवंशी ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई।

छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल प्रथम बटालियन ग्राउंड में प्रात: 9 बजे आयोजित होने वाले मुख्य समारोह के दौरान ध्वजारोहण, परेड निरीक्षण एवं सलामी की प्रक्रिया का पूर्वाभ्यास किया गया। रिहर्सल के दौरान मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण किया तथा उपस्थित जनों का अभिवादन किया। इस दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल भी मौजूद रहे। मंच पर मुख्य अतिथि के आगमन, ध्वजारोहण, मार्चपास्ट, हर्ष फायर एवं फोटो सेशन सहित समारोह की विभिन्न गतिविधियों का पूर्वाभ्यास किया गया। प्लाटून कमांडर श्री नीलकंठ वर्मा के नेतृत्व में परेड की टुकड़ियों ने मंच के सामने से गुजरते हुए मुख्य अतिथि को सलामी दी। रिहर्सल के दौरान नगर के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर समारोह की तैयारियों को जीवंत बना दिया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह, आयुक्त रिसाली मोनिका वर्मा, अपर कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी, जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत धीर सहित बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भिलाई में सेल ईआरपी सेंटर का उद्घाटन, विहान परियोजना के तहत डिजिटल परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल के डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र में सेल ईआरपी सेंटर का उद्घाटन सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने 13 अगस्त, 2026 को किया। इस अवसर पर निदेशक प्रभारी (भिलाई इस्पात संयंत्र) चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशकगण, सेल के वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्यपालक, विहान परियोजना की टीम के सदस्य तथा क्रियान्वयन सहयोगी संस्था मेसर्स एक्सेंचर के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सेल ने अपनी डिजिटल परिवर्तन यात्रा को गति देने के लिए महत्वाकांक्षी एवं प्रतिष्ठित विहान परियोजना एक सेल के लिए, एक ईआरपी की शुरुआत की है। इस परियोजना का उद्देश्य सेल के विभिन्न संयंत्रों, इकाइयों, कार्यप्रणालियों एवं व्यवसायिक प्रक्रियाओं को एक साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एकीकृत करना है।

इससे संगठन में प्रक्रियाओं का अधिक मानकीकरण एवं पारदर्शिता सुनिश्चित होने के साथ-साथ विभिन्न इकाइयों के बीच बेहतर एकीकरण और डेटा आधारित निर्णय लेने की क्षमता को सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। भिलाई में स्थापित सेल ईआरपी सेंटर में सेल के विभिन्न कार्यक्षेत्रों के विशेषज्ञ तथा कंसल्टेंट्स टीम के सदस्य एकीकृत टीम के रूप में कार्य करेंगे। यह टीम वन सेल की सामूहिक शक्ति, अनुभव एवं व्यावसायिक आवश्यकताओं को प्रतिबिंबित करने वाली ईआरपी प्रणाली के डिजाइन एवं क्रियान्वयन की दिशा में मिलकर कार्य करेगी।

महिला उत्पीड़न से जुड़े 27 प्रकरणों पर महिला आयोग की सुनवाई

■ **छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की पहली जनसुनवाई**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू, सदस्य ओजस्वी मंडावी, सह प्रभारी दीपिका शोरी एवं सदस्य सरला कोसरिया ने गुरूवार को कलेक्टर सभाकक्ष दुर्ग में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों की जनसुनवाई की। आयोग की अध्यक्षता में प्रदेश स्तर पर यह तीसरी तथा दुर्ग जिले में पहली जनसुनवाई थी। जनसुनवाई में कुल 27 प्रकरणों पर सुनवाई की गई, जिनमें 3 प्रकरण को नस्तीबद्ध किया गया।

जनसुनवाई के दौरान विभिन्न पारिवारिक विवाद, भरण-पोषण, दहेज प्रताड़ना, वैवाहिक विवाद, घरेलू विवाद एवं संपत्ति संबंधी मामलों को सुना गया। आयोग द्वारा दोनों पक्षों को सुनने के बाद आवश्यकतानुसार समझाइश, विधिक सहायता को कार्रवाई के निर्देश दिए। एक प्रकरण में आवेदिका एवं अनावेदक पक्ष उपस्थित हुए। प्रकरण में संबंधित अनावेदक की 26 मार्च 2026 को मृत्यु हो चुकी है। आवेदिका के ससुर ने बताया कि विवादित मकान उनके नाम पर है और वे उसे विक्रय करना चाहते हैं। आयोग द्वारा पक्षों को उनकी विधिक स्थिति के संबंध में आवश्यक समझाइश दी गई तथा प्रकरण को आगामी सुनवाई के लिए नियत किया गया। एक अन्य प्रकरण में आवेदिका ने भरण-पोषण की मांग रखी, जबकि अनावेदक ने बच्चे से मिलने की इच्छा व्यक्त की। आयोग ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अनावेदक को माह में एक बार बच्चे से मिलने की अनुमति संबंधी सहमति बनाई। साथ ही आवेदिका को भरण-पोषण के लिए न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत करने की सलाह दी गई तथा आवश्यक विधिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

वैवाहिक विवाद से जुड़े एक प्रकरण में आवेदिका ने पति के अन्य महिला से संबंध होने की शिकायत की। आयोग ने अनावेदक को समझाइश देते हुए वैवाहिक संबंधों में मधुरता बनाए रखने तथा अन्य महिला से संबंध समाप्त करने की सलाह दी। प्रकरण को आगामी सुनवाई के लिए नियत किया गया। एक अन्य मामले में आवेदिका ने बताया कि वर्तमान में वह अपने पति के साथ रह रही है और अपना प्रकरण वापस लेना चाहती है। आयोग द्वारा अनावेदक को पत्नी के साथ मधुर संबंध बनाए रखने की समझाइश दी गई। आवेदिका के कथन के आधार पर प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया।

दहेज प्रताड़ना से जुड़े एक प्रकरण में आवेदिका को सुनने के बाद मामला प्रथम दृष्टया उचित प्रतीत होने पर महिला थाना प्रभारी को एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए। प्रकरण को आगामी सुनवाई के लिए नियत किया गया। इसी प्रकार एक प्रकरण में आवेदिका के अस्वस्थ रहने तथा प्रकरण वापस लेने की इच्छा पर अनावेदक को समझाइश देकर प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया। एक अन्य मामले को दुर्ग सखी सेंटर भेजते हुए आवेदिका को गुजारा भत्ता तय कराने की प्रक्रिया अपनाने के निर्देश दिए गए। एक प्रकरण में संबंधित पक्षों ने बताया कि धारा 376 का मामला न्यायालय में विचाराधीन है और गवाही के लिए लंबित है। मामला न्यायालय में प्रचलित होने के कारण आयोग में प्रस्तुत प्रकरण को नस्तीबद्ध किया गया। जमीन पट्टा विवाद से जुड़े प्रकरण में आवेदिका को एसडीएम न्यायालय में जाने की सलाह दी गई। आयोग ने आवेदिका को इस मामले में निशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए तथा आदेश पत्र की प्रति भी निशुल्क प्रदान की गई। प्रकरण आगामी सुनवाई के लिए नियत किया गया। एक अन्य वैवाहिक विवाद में अनावेदक द्वारा आवेदिका के साथ रहने से इनकार करने तथा अन्य महिला से संबंध होने की बात सामने आई।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

कृषि मंत्री नेताम ने छात्रों को दिया 'सहकार से रोजगार' का मंत्र

रायपुर। विद्यार्थियों को रोजगार के अवसरों से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने विद्यार्थियों को 'सहकार से रोजगार' का मंत्र दिया। कृषि महाविद्यालय रायपुर के सेमिनार हॉल में भारतीय श्रम समिति नई दिल्ली, भारतीय गुणवत्ता परिषद एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्याशाला में नेताम ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक गतिविधियों का माध्यम नहीं, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता का प्रभावी रास्ता भी है। कृषि मंत्री ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में युवाओं को केवल नौकरी की तलाश करने के बजाय रोजगार सृजक बनने की दिशा में भी सोचने की आवश्यकता है। सहकारी संस्थाओं के माध्यम से युवा मिलकर संसाधनों, तकनीक और बाजार का बेहतर उपयोग कर छोटे और मध्यम स्तर के उद्यम स्थापित कर सकते हैं।

900 पार पंजीयन, 22-23 अगस्त को रायपुर में सजेगा रिश्तों का डिजिटल मंच

रायपुर। अग्रवाल समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों को एक मंच पर जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले अखिल भारतीय ऑनलाइन परिचय सम्मेलन के लिए अब तक 900 से अधिक पंजीयन हो चुके हैं। सम्मेलन का आयोजन 22 और 23 अगस्त 2026 को रायपुर में किया जाएगा। खास बात यह है कि देश के अलग-अलग शहरों के साथ विदेशों में रहने वाले युवक-युवतियां भी ऑनलाइन माध्यम से इसमें शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन (सम्मेलन) के तत्वावधान में और वैवाहिक सामाजिक सेवा संस्था 'मंगल परिणय' द्वारा आयोजित यह सम्मेलन पूरी तरह नि:शुल्क होगा। आयोजकों के मुताबिक पंजीयन की अंतिम तारीख 20 अगस्त रखी गई है। प्रांतीय अग्रवाल सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल, महामंत्री संजय अग्रवाल और मंगल परिणय की संयोजिका शोभा केडिया ने बताया कि अब तक 900 से अधिक युवक-युवतियों के पंजीयन प्राप्त हुए हैं।

नशा मुक्त भारत अभियान: डेंटल कॉलेज के छात्रों-शिक्षकों ने ली शपथ

रायपुर। शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर में 'नशा मुक्त भारत अभियान' एवं 'मिशन स्पंदन' के संयुक्त तत्वावधान में '10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान' के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं, चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने हाथ आगे बढ़ाकर जीवन भर नशे से दूर रहने और समाज को नशा मुक्त बनाने में योगदान देने की शपथ ली। ब्रह्माकुमारी संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा महाविद्यालय प्रशासन को अभियान में सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों और विद्यार्थियों ने '10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा' से संबंधित पोस्टर और पम्फलेट प्रदर्शित कर 'विकसित भारत' के निर्माण में नशा मुक्ति के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर संस्था के प्रतिनिधियों ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण के लिए युवाओं का नशा मुक्त रहना अत्यंत आवश्यक है।

तिरंगा सिर्फ एक कपड़ा नहीं, हमारी संप्रभुता का प्रतीक, शहीदों के बलिदान को रखें अमर- टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तिरंगा हमें देशहित, राष्ट्रसेवा और एकजुट होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। हजारों लोगों का एक साथ तिरंगा लेकर निकलना, राष्ट्रभक्ति का शानदार उदाहरण है। उन्होंने सफल आयोजन के लिए आयोजकों और सभी प्रतिभागियों को राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने बधाई दी।

उन्होंने कहा कि देशभक्ति के अद्वितीय जज्बे और उमंग के साथ गुरुवार को जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में एक विशाल एवं भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में गार्डन चौक स्थित अटल परिसर से हरी झंडी दिखाकर इस ऐतिहासिक यात्रा का शुभारंभ किया।

यात्रा की शुरुआत भारत माता की जय और वंदे मातरम के गगनभेदी नारों तथा देशभक्ति गीतों के साथ हुई। हाथों में सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज थामे जनसैलाब इस यात्रा में जुड़ता चला गया। गार्डन चौक से शुरू होकर यह तिरंगा यात्रा नया बस स्टैंड होते हुए आंबेडकर चौक पहुंचकर भव्य रूप से संपन्न हुई। पूरे यात्रा मार्ग में भारत मां के प्रति अटूट प्रेम और उत्साह का वातावरण बना रहा।

मंत्री वर्मा ने आम जनता से इस राष्ट्रीय अभियान से जुड़कर समाज में एकता, शांति और भाईचारे का संदेश प्रसारित करने का आह्वान किया। इस तिरंगा यात्रा में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, डॉ. सनम जांगड़े, प्रमोद शर्मा तथा जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी, कलेक्टर, डीएफओ, सीईओ जिला पंचायत सहित भारी संख्या में नागरिक, समाजसेवी और स्कूली छात्र-छात्राएं हाथ में तिरंगा लिए देशभक्ति के इस महापर्व के साक्षी बने।

भारत की आन, बान, शान और हर नागरिक के स्वाभिमान का प्रतीक

यात्रा के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित जनसमूह को राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने संबोधित किया कि तिरंगा सिर्फ तीन रंगों से बना कपड़ा नहीं है, बल्कि यह भारत की आन, बान, शान और हर नागरिक के स्वाभिमान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आज पूरा देश देशभक्ति के एक ही सूत्र में बंधकर तिरंगा यात्रा निकाल रहा है। यह जनसैलाब दर्शाता है कि हमारे दिलों में राष्ट्र के प्रति कितना अगाध सम्मान है। हमें अपने वीर शहीदों के बलिदानों को सदैव स्मरण रखते हुए देश की प्रगति और अखंडता में अपना सक्रिय योगदान देना चाहिए।

बड़े सपने देखें और कड़ी मेहनत से उन्हें साकार करें : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से किया आत्मीय संवाद, कहा - सफलता केवल डॉक्टर-इंजीनियर बनने तक सीमित नहीं, हर क्षेत्र में हैं आगे बढ़ने के अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सरगुजा जिले के ग्रामीण अंचलों से शैक्षणिक भ्रमण पर आए मेधावी छात्र-छात्राओं ने सौजन्य मुलाकात की। अंबिकापुर क्षेत्र के सात शासकीय विद्यालयों के लगभग 50 विद्यार्थियों से मुख्यमंत्री साय ने आत्मीय संवाद किया और उनके अनुभव, रुचियों तथा भविष्य के सपनों के बारे में जाना। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें जीवन में बड़ा लक्ष्य निर्धारित करने और उसे हासिल करने के लिए पूरी लगन, अनुशासन और परिश्रम के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

मुख्यमंत्री साय ने विद्यार्थियों से कहा कि विद्यार्थी जीवन भविष्य की मजबूत नींव तैयार करने का सबसे महत्वपूर्ण समय है। इस दौर में देखा गया सपना और उसे पूरा करने के लिए किया गया परिश्रम जीवन की दिशा तय करता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को हमेशा बड़े सपने देखने चाहिए और उन सपनों को साकार करने के लिए पूरे मनोयोग से प्रयास करना चाहिए। कठिन परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से जीवन में कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सफलता का अर्थ केवल डॉक्टर या इंजीनियर बनना नहीं है। आज युवाओं के लिए शिक्षा, विज्ञान, अनुसंधान, खेल, तकनीक, प्रशासन, उद्यमिता सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। प्रत्येक विद्यार्थी की अपनी प्रतिभा और रुचि होती है। आवश्यकता इस बात की है कि वह अपनी क्षमता को पहचाने, सही लक्ष्य चुने और पूरी प्रतिबद्धता के साथ उसे हासिल करने में जुट जाए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रदेश की विभिन्न प्रतिभाओं और उपलब्धि हासिल करने वाले व्यक्तित्वों के प्रेरक प्रसंग भी सुनाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर विस्तार हुआ है। आज छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्तर के अनेक प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थान स्थापित हैं, जहां प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों के विद्यार्थियों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मार्गदर्शन और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध हों। ऐसे शैक्षणिक भ्रमण बच्चों के मन में नई जिज्ञासा पैदा करने के साथ उनके सपनों को नया विस्तार देते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस शैक्षणिक भ्रमण की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल के बच्चों को प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से परिचित कराने और उन्हें भविष्य की संभावनाओं के प्रति जागरूक करने की यह पहल सराहनीय है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने माता-पिता, विद्यालय तथा प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन व्यक्ति के संपूर्ण जीवन की नींव होता है। जिस प्रकार किसी मजबूत भवन के लिए उसकी नींव मजबूत होना आवश्यक है, उसी प्रकार उज्ज्वल भविष्य के लिए विद्यार्थी जीवन में अनुशासन, परिश्रम और समय का सदुपयोग आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से इस महत्वपूर्ण समय का उपयोग अपने लक्ष्य को पहचानने, ज्ञान अर्जित करने और व्यक्तित्व निर्माण में करने का आह्वान किया।

शैक्षणिक भ्रमण में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कनकालों, बकिरमा, सुखरी, रामपुर, मेंड्राकला एवं करजी तथा शासकीय सेजेस केशवपुर के छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने नवा रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी), ट्राइबल म्यूजियम और छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग कार्यालय सहित विभिन्न प्रमुख संस्थानों एवं स्थलों का अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने इन संस्थानों की शैक्षणिक गतिविधियों, अध्ययन के अवसरों और भविष्य की संभावनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। राजधानी और नवा रायपुर के प्रमुख संस्थानों को नजदीक से देखने का अनुभव विद्यार्थियों के लिए उत्साहवर्धक रहा।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, जिला पंचायत सदस्य पायल सिंह तोमर सहित शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

इंटर्न्स की समस्याओं पर चिकित्सा शिक्षा विभाग की बैठक, स्टाइपेंड बढ़ाने की माँग पर विचार का आश्वासन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आयुक्त चिकित्सा शिक्षा रितेश अग्रवाल की अध्यक्षता में आईएमए प्रतिनिधियों और विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के इंटर्न्स के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य इंटर्न्स की समस्याओं पर चर्चा कर उनका समाधान निकालना था।

बैठक के दौरान इंटर्न्स ने अपनी प्रमुख माँग रखते हुए स्टाइपेंड बढ़ाने की बात कही। इस पर विभाग की ओर से आश्वासन दिया गया कि छात्र हित में सरकार द्वारा हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं और इंटर्न्स की स्टाइपेंड संबंधी माँग पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि चालू वित्तीय वर्ष के बजट में प्राय: सभी मेडिकल कॉलेजों में छात्र-छात्राओं के लिए हॉस्टल स्वीकृत किए गए हैं, जो छात्रों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। बैठक के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों से अपील की गई कि स्वास्थ्य सेवाएँ सीधे तौर पर जनहित से जुड़ी होती हैं, इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी परिस्थिति में सेवाएँ प्रभावित न हों। बैठक में **IMA-MSN Chhattisgarh** के संयोजक शाहदिल खुसरू ने कहा कि आज की यह बैठक समस्या के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक पहल साबित हुई है। दोनों पक्षों ने सकारात्मक वातावरण में चर्चा को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की और बैठक का समापन भी सकारात्मक माहौल में हुआ। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि प्रशासन और इंटर्न्स, दोनों की ओर से इसी प्रकार संवाद और सहयोग की भावना बनी रहेगी तथा इस समस्या का जल्द ही संतोषजनक समाधान निकलेगा। बैठक में पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, राजनांदगांव, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, कांकेर एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, अंबिकापुर के इंटर्न्स उपस्थित रहे।

देशभक्ति के रंग में रंगा शहर अम्बिकापुर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत गुरुवार को अम्बिकापुर शहर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में तिरंगा लिए बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, युवाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक यात्रा में सहभागिता की। तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों के हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहा थे। रास्ते में कई स्थानों पर स्थानीय लोगों ने यात्रा का स्वागत किया, युवाओं और विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। भारत माता के जयकारों, वंदे मातरम् के नारों और देशभक्ति गीतों से पूरा शहर राष्ट्रप्रेम की भावना से सराबोर नजर आया।

तिरंगा यात्रा का शुभारंभ शहर के मल्टीपरपज स्कूल से हुआ। यात्रा महामाया चौक, घड़ी चौक और गांधी चौक होते हुए गांधी स्टेडियम मैदान पहुंचकर सम्पन्न हुई। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह नागरिकों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। हाथों में लहराते राष्ट्रीय ध्वज और देशभक्ति के नारों के बीच युवाओं तथा आम नागरिकों में विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिली।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल भी तिरंगा यात्रा में शामिल हुए और हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने नागरिकों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने और देश की प्रगति में अपना योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक नागरिक अपने घर, प्रतिष्ठान और कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़े और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी एवं सम्मान की भावना को प्रदर्शित करे।

करीब 200 फीट लंबे तिरंगे के साथ उमड़ा जनसैलाब

रिमझिम बारिश में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, देशभक्ति से सराबोर हुआ रायगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आज रायगढ़ जिला मुख्यालय में रिमझिम बारिश के बीच भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी यात्रा में शामिल हुए। करीब 200 फीट लंबे विशाल तिरंगे के साथ निकली यात्रा में शहर के विभिन्न वर्गों के नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों तथा स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। बारिश की फुहारों के बीच 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के गगनभेदी जयघोष से पूरा शहर राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

तिरंगा यात्रा नटवर स्कूल से प्रारंभ होकर बेटी बचाओ चौक, सुभाष चौक और अग्रसेन चौक होते हुए सिदूर पार्क (इतवारी बाजार) पहुंची, जहां मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। मार्ग में शहरवासियों ने जगह-जगह यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। ओवरब्रिज से पुष्पवर्षा कर तिरंगा यात्रा का अभिनंदन किया गया। यात्रा में शामिल नागरिकों के लिए जूस वितरण की व्यवस्था भी की गई।

तिरंगा यात्रा में समाज के सभी वर्गों की व्यापक भागीदारी देखने को मिली। हाथों में तिरंगा और देशभक्ति संदेशों वाली तख्तियां लिए स्कूली विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बना। विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ महतारी, भारत माता, रवींद्रनाथ टैगोर, झांसी की रानी और भगत सिंह सहित राष्ट्रनायकों के स्वरूप धारण कर यात्रा को आकर्षक और संदेशपरक बनाया।

बाजे-गाजे और देशभक्ति गीतों के बीच नागरिक कदम से कदम मिलाकर चलते रहे। 'सुनो गौर से दुनिया वालों' और 'ये देश है वीर जवानों का' जैसे गीतों पर युवाओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रिमझिम बारिश भी लोगों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। तिरंगे की छांव में उमड़ा जनसैलाब रायगढ़ में राष्ट्रप्रेम, एकता और जनभागीदारी का जीवंत संदेश देता नजर आया।

सिदूर पार्क में आयोजित मंचीय कार्यक्रम में वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने देश की स्वतंत्रता और राष्ट्र की सुरक्षा में योगदान देने वाले वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। उन्होंने परिसर में स्थापित स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने जनसंपर्क विभाग द्वारा 'हर घर तिरंगा' एवं 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा 'हर घर तिरंगा' सेल्फी बूथ पर फोटो भी खिंचाई।

बस्तर की जनता की जीत हुई, नक्सलावाद हार गया - उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप दंतेवाड़ा के श्यामगिरी पहुंचे। जहां उन्होंने श्यामगिरी में हुई 2019 वे घटना स्थल पर पहुंच कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। स्थानीय लोगों, चश्मदीदों और स्व.भीमा मंडावी के सहयोगियों ने घटना की विभीषिका को बयां किया।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप ने अरनपुर और श्यामगिरी में हुई घटनाओं के 13 शहीदों की याद में पौधरोपण किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से आत्मीयता से मुलाकात की। मंत्री द्वय ने शहीद परिवारों से मुलाकात कर उनसे चर्चा कर प्राप्त हो रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। इस संवेदनशील पल में सभी की आंखें नम हो गयीं जब उन्होंने अपने साथी रहे और तत्कालीन दंतेवाड़ा विधायक स्व. भीमा मंडावी की पत्नी श्रीमती ओजस्वी मंडावी से मुलाकात की। सभी ने शहीदों की याद में मौन रखकर उन्हें याद किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि हम लोगों में से सभी ने नक्सल हिंसा में किसी ना किसी को खोया, किसी ने अपना मित्र, किसी ने भाई, पिता, रिश्तेदार, जानने वाले और किसी ने स्वजन को खोया है। उन्होंने बताया कि जब केन्जा नक्सली मनवा माटा अभियान के तहत नक्सल पीड़ित राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे तो एक छोटी सी बालिका ने बताया था कि कैसे उसने नक्सल हिंसा में अपने दोनों आंखों को खो दिया था। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप आज ने कहा कि तिरंगा फहराने के लिए हमने बड़ा संघर्ष किया है। कई लोगों की शहादत के बाद आज हम शान से तिरंगा लहरा पा रहे हैं। पहले तिरंगा फहराने पर नक्सलियों द्वारा डराया जाता था, अब कोई भी हमें तिरंगा फहराने से रोकने वाला नहीं है। मतलब अब भारत का संविधान हर कोने में लागू होगा बिना किसी डर के। उन्होंने सभी से अपने घर के तिरंगा लगाने और अपने पड़ोसियों को भी प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर आप तिरंगा यात्रा में शामिल नहीं हो पा रहे हैं तो सोशल मीडिया पर तिरंगा जरूर लगाएं और सभी को लगाने को कहें। उन्होंने कहा कि बस्तर की जनता जीत गयी और नक्सलवाद हार गया है। बस्तर की जनता के संकल्प ने नक्सलावाद को जड़ से मिटाने का कार्य किया है। ग्रामीणों की मांग पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने नकुलनार से बचेली मार्ग का नामकरण शहीद भीमा मंडावी के नाम पर करने की अनुसंशा करने की बात कही इसके लिए सभी प्रक्रियाएं पूर्ण करने कलेक्टर को निर्देशित किया। इस अवसर पर सभी ने एक पेड़ शहीदों के नाम के तहत पौधारोपण किया और घटना स्थल से मिट्टी लेकर संग्रहित किया। इस दौरान सांसद महेश कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुडामी, आईजी बस्तर बद्री नारायण मीणा, कलेक्टर, एसपी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने वहां आई बिहान समूह की महिलाओं से चर्चा की और उन्हें लघु वनोपज प्रसंस्करण का प्रशिक्षण लेकर कार्य करने को कहा। उन्होंने बताया कि अब छत्तीसकला ब्रांड के अंतर्गत अब शासन द्वारा सहायता बिहान उत्पादों को सहायता उपलब्ध कराई जा रही है जिसका अवश्य लाभ लें। मंत्री द्वय ने राष्ट्रपति भवन में जाकर आई बस्तर पंडुम विजेता अरनपुर की मांदरी दल से मुलाकात कर उनसे बातें की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में महिलाओं से कहा कि पहले आप दिल्ली में राष्ट्रपति के पास गईं थीं अब राष्ट्रपति भी आपके घर आएंगी चाय पीने।

अभिनय को देखकर खामोश हो जाता था पूरा सेट कनिका कपूर ने साझा किया अनुभव

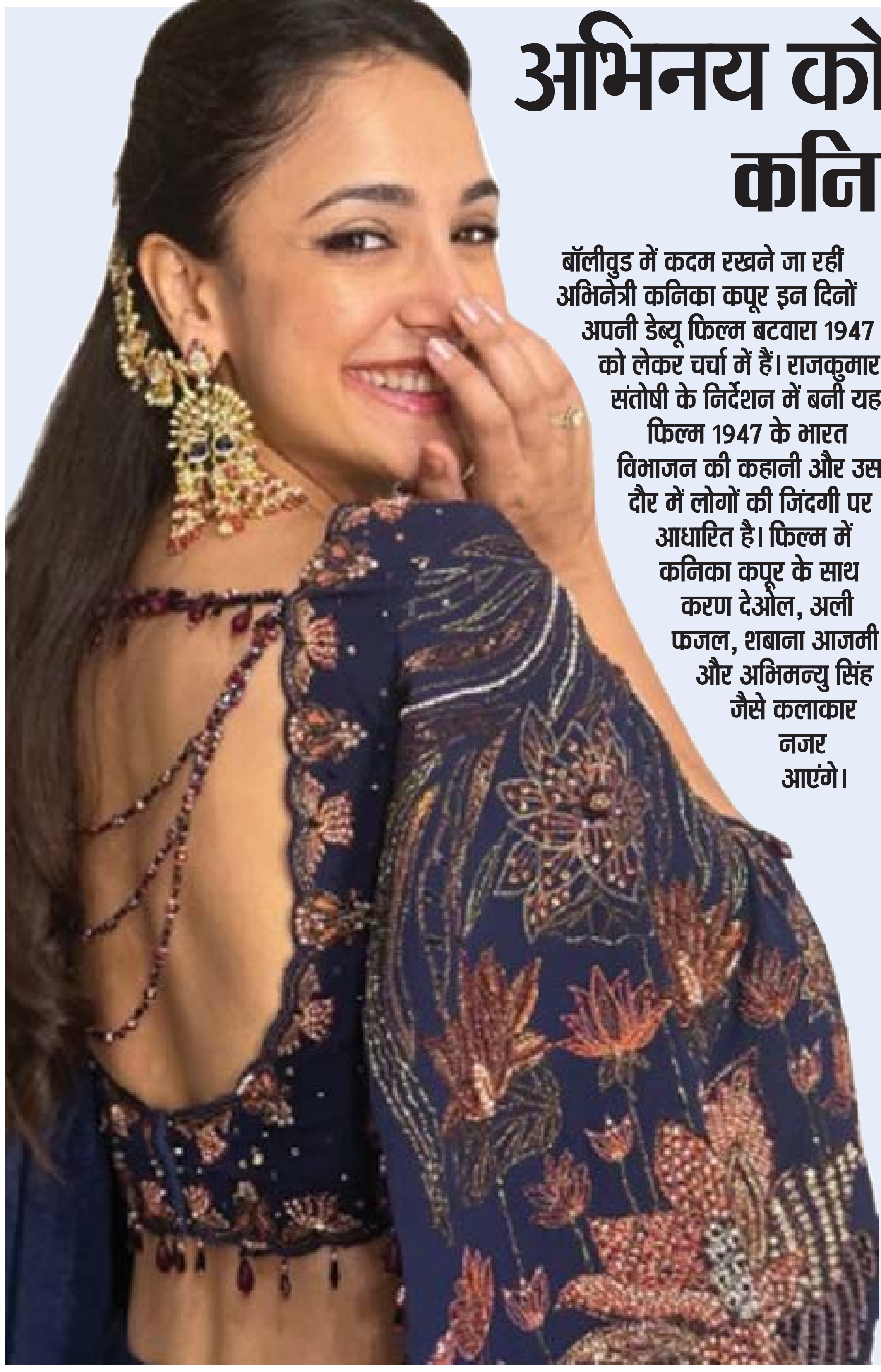

बॉलीवुड में कदम रखने जा रहीं अभिनेत्री कनिका कपूर इन दिनों अपनी डेब्यू फिल्म बटवारा 1947 को लेकर चर्चा में हैं। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी यह फिल्म 1947 के भारत विभाजन की कहानी और उस दौर में लोगों की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में कनिका कपूर के साथ करण देओल, अली फजल, शबाना आजमी और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार नजर आएंगे।

फिल्म को लेकर कनिका काफी उत्साहित हैं और शूटिंग से जुड़ी यादों को साझा किया। इसी दौरान उन्होंने सनी देओल और प्रीति जिंटा के साथ जुड़े ऐसे अनुभव बताए, जो उनके लिए हमेशा खास रहेंगे। कनिका कपूर ने कहा, जब मैं राजवीर की डेब्यू फिल्म दोनों में काम कर रही थीं, तब मुझे सनी देओल से मिलने का अवसर मिला। वह हमेशा बेहद शालीनता से पेश आते थे। उनके साथ मुलाकात और सेट पर उन्हें काम करते हुए देखना मेरे लिए बेहद यादगार अनुभव रहा। सनी देओल के अभिनय को याद करते हुए कनिका ने कहा, मुझे याद है कि एक-दो सीन्स में मेरा छोटा-सा हिस्सा था। मैं बैठकर उन्हें अभिनय करते हुए देखा करती थी। जिस तरह से वह अपने डायलॉग्स बोलते थे, वह देखने लायक था। वह एक डायलॉग बोलते और पूरा सेट खामोश हो जाता था। हर टेक के बाद लोग तालियां बजाते थे। उन्हें अभिनय करते देखना अपने आप में एक शानदार अनुभव था।

कनिका ने अपनी डेब्यू फिल्म बटवारा 1947 की शूटिंग से जुड़ी एक भावुक याद भी साझा की। उन्होंने कहा, इस फिल्म में काम करना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा रहा। शूटिंग के दौरान कई ऐसे पल रहे जिन्हें मैं हमेशा याद रखूंगी, लेकिन करण देओल के साथ किया गया एक लुक टेस्ट मेरे लिए सबसे खास बन गया।

कनिका ने कहा, करण देओल के साथ फाइनल लुक टेस्ट के दिन मुझे शूटिंग शुरू होने से पहले ही एक इमोशनल सीन करने के लिए कहा गया। खास बात यह थी कि उस दिन प्रीति जिंटा और सनी देओल भी सेट पर मौजूद थे। डायरेक्टर के कट कहने तक मैं पूरी तरह किरदार में थीं। जैसे ही सीन खत्म हुआ, मेरी आंखों में आंसू थे और मैं लगातार रो रही थीं। मैं किरदार में इस कदर डूब गई थीं कि कैमरे के पीछे क्या हो रहा है, मुझे कुछ पता नहीं था।

कनिका ने बताया, तभी मुझे अचानक तालियों की आवाज सुनाई दी। मैंने धुंधली नजरों से देखा, तो सेट पर मौजूद लोग खड़े होकर मेरे लिए तालियां बजा रहे थे, उनमें प्रीति जिंटा का भी चेहरा था। मुझे विश्वास नहीं हुआ, मैंने तुरंत अपने आंसू पोंछे और देखा कि वाकई में प्रीति जिंटा खड़ी होकर मेरे अभिनय की तारीफ कर रही थीं।

कनिका ने कहा, वह पल मेरे लिए बहुत मायने रखता था। मैंने प्रीति जिंटा को गले लगाया। उन्होंने मुझसे कहा कि आपने शानदार अभिनय किया। उनकी यह तारीफ मेरे लिए इसलिए भी खास थी क्योंकि प्रीति जिंटा बचपन से ही मेरी पसंदीदा अभिनेत्री रही हैं। मैंने उनको कल हो ना हो और कोई मिल गया जैसी फिल्मों में देखा है। वह लंबे समय से मेरी आदर्श रही है। ऐसे में उनसे अपने अभिनय की तारीफ सुनना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी।

'अवारापन' के फ्लॉप होने से निराश हुई थीं श्रिया सरन......

नॉमिनेशन के बावजूद अवॉर्ड शो में नहीं मिला था न्योता

फिल्म 'अवारापन' ने समय के साथ इस फिल्म ने दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई और आज इसे एक कल्ट फिल्म के तौर पर देखा जाता है। फिल्म में इमरान हाशमी, श्रिया सरन और मृणालिनी शर्मा मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। अब फिल्म के सीक्वल 'अवारापन 2' की रिलीज से पहले श्रिया सरन ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादें साझा की हैं।

'अवारापन' के फ्लॉप होने से निराश थीं श्रिया सरन

श्रिया सरन ने पिंकविला से बातचीत में बताया, 'जब फिल्म रिलीज हुई थी, तो हम सभी को इससे बहुत उम्मीदें थीं। लेकिन मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों हुआ। मुझे लगता है कि यह फिल्म अपने समय से काफी आगे थी। इसे कुछ अवॉर्ड शो में नॉमिनेशन भी मिला था, लेकिन उन्होंने मुझे इनवाइट तक नहीं किया।' उन्होंने आगे कहा कि उन्हें लगा था कि 'अवारापन' को दर्शक खूब पसंद करेंगे और फिल्म को सेलिब्रेट किया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, जिसकी वजह से वह काफी निराश हुई थीं।

श्रिया ने बताया कि फिल्म की रिलीज के कई साल बाद भी लोग उनसे मिलकर 'अवारापन' की तारीफ करते हैं। पहले उन्हें लगता था कि शायद लोग फिल्म के गानों की वजह से इसे पसंद करते हैं, क्योंकि फिल्म का म्यूजिक काफी पॉपुलर था और इमरान हाशमी की परफॉर्मेंस भी शानदार थी।

लेकिन अब श्रिया को लगता है कि लोगों को फिल्म की कहानी और उसकी भावनाओं ने जोड़ा था। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही इंटेंस कहानी थी और दर्शकों ने इसे दिल से महसूस किया। यही वजह है कि करीब दो दशक बाद भी फिल्म को दर्शकों से इतना प्यार मिल रहा है।

नारियल को डाइट में करें शामिल, इससे मिल सकते हैं कई फायदे.....

नारियल एक ऐसा फल है, जो अपनी खासियतों के कारण दुनियाभर में जाना जाता है। इसके कई प्रकार होते हैं, जिनका उपयोग पूजा-पाठ से लेकर खाने-पीने तक में किया जाता है। नारियल का पानी और तेल सभी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इस लेख में हम आपको रोजाना नारियल खाने के 5 लाभ बताएंगे, जो आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करेंगे।

दिल को स्वस्थ रखने में सहायक है नारियल

रोजाना नारियल खाने से दिल को स्वस्थ रखने में मदद मिल सकती है। इसमें मौजूद कुछ खास फैटी एसिड दिल की बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं। इसके अलावा नारियल का पानी शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। इससे रक्तचाप भी सामान्य रहता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। इसलिए अपने आहार में नारियल को शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में है मददगार

नारियल में मौजूद कुछ खास तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। रोजाना नारियल खाने से शरीर की ताकत बढ़ती है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता मिलती है। इसके अलावा नारियल का पानी भी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने में सहायक होता है।

यह शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ-साथ जरूरी पोषक तत्व भी प्रदान करता है, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। इसलिए रोजाना नारियल खाना फायदेमंद हो सकता है।

पाचन को सुधारने में है सहायक

नारियल में फाइबर होता है, जो पाचन को सुधारने में मदद करता है। रोजाना नारियल खाने से कब्ज, गैस जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है। इसके अलावा नारियल का पानी भी पाचन को बेहतर बनाने में सहायक होता है।

यह शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ-साथ जरूरी पोषक तत्व भी प्रदान करता है, जिससे पाचन मजबूत होता है। इसलिए अपने आहार में नारियल को शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

नारियल का तेल त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद फैटी एसिड त्वचा को नमी देते हैं और उसे मुलायम बनाते हैं। इसके अलावा नारियल का पानी भी त्वचा को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। इससे त्वचा चमकदार और स्वस्थ दिखती है। नारियल के इन फायदों को देखते हुए इसे अपनी डाइट में शामिल करना तो बनता है।

इसके नियमित सेवन से आप न केवल ताजगी महसूस करेंगे बल्कि आपकी त्वचा भी निखरेगी।

बालों की समस्याओं से दिला सकता है छुटकारा

नारियल बालों की समस्याओं जैसे रूसी, झड़ना आदि से निजात दिलाने में कारगर साबित हो सकता है। इसमें कुछ खास गुण होते हैं जो खोपड़ी की सूजन कम करते हैं। इसके अलावा इसमें मौजूद विटामिन्स बालों की ग्रोथ बढ़ाते हैं। इस प्रकार नारियल कई प्रकार के लाभ प्रदान कर सकता है। इसलिए इसे अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा जरूर बनाएं ताकि आप इसके सभी फायदों का पूरा फायदा उठा सकें।

अक्षय कुमार सामुक की शूटिंग के लिए तैयार ला रहे भारत की पहली एलियन थ्रिलर फिल्म

अक्षय कुमार भारत की पहली एलियन थ्रिलर फिल्म सामुक के लिए कमर कस चुके हैं। इस फिल्म के निर्माण की जिम्मेदारी विपुल अमृतलाल शाह ने संभाली है, जो पूर्व में द केरल स्टोरी और गर्वनर जैसी फिल्में देकर चर्चा बटोर चुके हैं। आंखें, नमस्ते लंदन और सिंह इज किंग जैसी फिल्मों के बाद अक्षय और विपुल की जोड़ी लंबे समय बाद फिर साथ आ रही है। ताजा अपडेट है कि अभिनेता जल्द ही सामुक की शूटिंग शुरू करने वाले हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता आगामी एलियन थ्रिलर फिल्म के लिए लंदन में शूटिंग शुरू करेंगे।

इसी महीने 23 अगस्त से शूटिंग मुख्य रूप से शुरू हो जाएगी और 90 प्रतिशत निर्माण कार्य लंदन में ही पूरा होगा, जबकि अन्य हिस्सा मुंबई में फिल्माया जाएगा। निर्देशन की कमान कनिष्क वर्मा को सौंपी गई है।

बताया जा रहा है कि सामुक में अक्षय बिलकुल अलग तरह के अवतार में दिखाई देंगे, जो उनके फैंस ने पहले कभी नहीं देखा होगा। सामुक को थिएटर फिल्म के रूप में विकसित किया जा रहा है और इसके 2027 में रिलीज होने की संभावना है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्माता इस फिल्म को हॉलीवुड स्तर का बनाना चाहते हैं, इसलिए परियोजना में अंतरराष्ट्रीय सिनेमा के 2 दिग्गजों को भी शामिल किया गया है।

ये दिग्गज पूर्व रॉयल मरीन कमांडो और स्टंट को-ऑर्डिनेटर ल्यूक टंबर हैं, जो वेनम, स्टार वॉर्स और मिशन इम्पॉसिबल जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुके हैं।

बच्चों की याददाश्त और एकाग्रता को बढ़ावा देने के लिए अपनाएं ये 5 आदतें

बच्चों की याददाश्त और एकाग्रता को बढ़ावा देना एक अहम काम है। यह न केवल उनके पढ़ाई के लिए जरूरी है, बल्कि उनके जीवनभर काम आ सकता है। सही आदतें अपनाकर आप अपने बच्चों को बेहतर पढ़ाई करने में मदद कर सकते हैं। इस लेख में हम कुछ सरल और प्रभावी आदतों पर चर्चा करेंगे, जो आपके बच्चों की याददाश्त और एकाग्रता को बढ़ाने में सहायक हो सकती हैं।

बच्चों नियमित पढ़ाई का समय तय करें

बच्चों के लिए एक निश्चित समय पर पढ़ाई करना बहुत जरूरी है। इससे उनकी आदतें बनती हैं और वे समय प्रबंधन सीखते हैं।

एक निश्चित समय पर पढ़ाई करने से उनका ध्यान भी बेहतर होता है और वे अधिक प्रभावी ढंग से पढ़ाई कर सकते हैं।

सुबह का समय सबसे अच्छा माना जाता है क्योंकि इस समय मन ताजा होता है और वे नई जानकारी को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं।

छोटे-छोटे आराम के पल लें

लंबे समय तक पढ़ाई करने से थकान हो सकती है, जिससे ध्यान भटकता है। इसलिए बच्चों को बीच-बीच में आराम के छोटे-छोटे पल लेने की आदत डालें।

हर 25-30 मिनट की पढ़ाई के बाद 5-10 मिनट का आराम लें। इस दौरान वे थोड़ी देर टहल सकते हैं, पानी पी सकते हैं या हल्का-फुल्का खेल खेल सकते हैं।

इससे उनका मन तरोताजा रहेगा और वे अधिक ऊर्जा के साथ पढ़ाई कर पाएंगे, जिससे उनकी याददाश्त और एकाग्रता भी बढ़ेगी।

ध्यान केंद्रित करने वाले खेल खेलें

ध्यान केंद्रित करने वाले खेल बच्चों की मानसिक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। शतरंज, पहेली या याददाश्त के खेल जैसे मेमोरी गेम्स बच्चों की सोचने की क्षमता को मजबूत करते हैं।

इन खेलों से बच्चे न केवल मजे करते हैं बल्कि उनकी याददाश्त भी बेहतर होती है।

इसके अलावा ये खेल उनके ध्यान को भी बढ़ाते हैं, जिससे वे अपने अध्ययन में अधिक ध्यान लगा सकते हैं और बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

सही खाने-पीने पर ध्यान दें

बच्चों का खान-पान उनकी मानसिक सेहत पर बड़ा असर डालता है। उन्हें पोषक तत्वों से भरपूर खाना दें जैसे फल, सब्जियां, मेवे और दूध आदि। इनसे उनका दिमाग स्वस्थ रहता है और याददाश्त मजबूत होती है।

इसके अलावा उन्हें समय-समय पर पानी पीने की आदत डालें ताकि वे तरोताजा रहें।

सही खाने-पीने से उनकी एकाग्रता भी बढ़ती है, जिससे वे अपने पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं और अधिक प्रभावी ढंग से सीख सकते हैं।

नियमित व्यायाम कराएं

नियमित व्यायाम न केवल शारीरिक सेहत के लिए बल्कि मानसिक सेहत के लिए भी फायदेमंद होती है।

बच्चों को रोजाना कुछ मिनट दौड़ने, कूदने या योग करने के लिए प्रेरित करें। इससे उनका मन तरोताजा रहता है और वे अधिक ऊर्जा के साथ पढ़ाई कर सकते हैं।

इन सरल तरीकों से आप अपने बच्चों की याददाश्त और एकाग्रता को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे उनका पढ़ाई और जीवन दोनों ही बेहतर होगा।

खास-खबर

साक्षरता अभियान को मिलेगा नया आयाम

कोंडागांव। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिलेभ्र में 'उल्लास महा चौपाल' का आयोजन किया जाएगा। ध्वजारोहण के बाद स्कूलों और ग्राम पंचायतों में होने वाले इस कार्यक्रम के जरिए उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान चलाया जाएगा। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम '3 'अंगूठे से कलम की ओर' रखी गई है। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने जिले के सभी स्कूलों को 15 वर्ष से अधिक आयु के निरक्षर लोगों को साक्षर बनाने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए है। अभियान में फेसबुक, व्हाट्सएप, सोशल मीडिया, डिजिटल डिस्प्ले और प्रोजेक्टर जैसे माध्यमों का उपयोग किया जाएगा। निरक्षर को साक्षर बनाने करेंगे प्रेरित अभियान के तहत स्कूलों को ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है। कम से कम एक निरक्षर व्यक्ति को साक्षर बनने के लिए प्रेरित करेंगे।

सात पवित्र नदियों के जल से होगा महादेव का अभिषेक

रायपुर। सावन के पावन महीने में राजधानी रायपुर भक्ति और आस्था के रंग में रंगने जा रही है। 16 अगस्त को न्यू राजेंद्र नगर से निकलने वाली भव्य कांवड़ यात्रा में सात पवित्र नदियों का जल शामिल होगा। सर्वसमाज के श्रद्धालु कांवड़ में गंगाजल समेत विभिन्न पवित्र नदियों का जल लेकर बाबा श्री बैद्यनाथ धाम पहुंचेंगे, जहां इसी जल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है और आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम के आयोजक एवं नेतृत्वकर्ता सीए अमित चिमनानी ने बताया कि 16 अगस्त को जलाभिषेक से पहले न्यू राजेंद्र नगर में कांवड़ यात्रियों का एकत्रीकरण और स्थल पूजन किया जाएगा। सुबह 9 बजे पूजन के बाद करीब चार किलोमीटर लंबी कांवड़ यात्रा सुबह 10 बजे आशादीप हॉस्पिटल के पास न्यू राजेंद्र नगर से शुरू होगी।

6-लेन एक्सप्रेसवे को केंद्र की मंजूरीः कवर्धा से रायपुर तक सफर होगा आसान

कवर्धा। केंद्र सरकार ने जबलपुर-भोपाल ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे और जबलपुर-मंडला-छत्तीसगढ़ सीमा-कवर्धा- सिमगा- रायपुर 6-लेन मार्ग परियोजना को हरी झंडी दे दी है। इस सौगात के लिए क्षेत्रीय सांसद संतोष पांडेय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग सांसद संतोष पांडेय ने बताया कि सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए 15000 करोड़ रुपए का बजट पास किया गया है। उक्त ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के तहत छत्तीसगढ़ के कवर्धा, बेमेतरा, सिमगा से रायपुर शहर जुड़ेगा। वहीं एमपी में यह ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे भोपाल, सागर, दमोह, जबलपुर, मंडला से होते हुए छत्तीसगढ़ में एंट्री होगी। जिससे भोपाल और रायपुर के बीच कनेक्टिविटी और मजबूत हो जाएगी।

छत्तीसगढ़ के स्टील का प्रदेश में ही हो अधिकतम मूल्य संवर्धनः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भारतीय उद्योग परिसंघ के सहयोग से आयोजित 'छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री डायलॉग ऑन ग्रीन स्टील' में 13,840 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन परियोजनाओं से प्रदेश में 10,921 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्टील और खनन छत्तीसगढ़ की औद्योगिक पहचान की मजबूत नींव हैं और आगे भी हमारी ताकत बने रहेंगे। अब समय इस मजबूत नींव पर औद्योगिक विकास की नई इमारत खड़ी करने का है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल स्टील उत्पादन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि छत्तीसगढ़ में उत्पादित स्टील का अधिकतम मूल्य संवर्धन भी प्रदेश के भीतर ही होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ का स्टील प्राथमिक रूप में प्रदेश से बाहर जाने के बजाय यहीं ऑटो कम्पोनेंट्स, इंजीनियरिंग उत्पाद, रेलवे, रक्षा और सौर ऊर्जा उपकरणों जैसे डाउनस्ट्रीम एवं स्पेशियलिटी उत्पादों में परिवर्तित हो। जब मूल्य संवर्धन छत्तीसगढ़ में होगा, तो रोजगार भी छत्तीसगढ़ में ही सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस दिशा में निवेश करने वाले प्रत्येक निवेशक के साथ पूरी प्रतिबद्धता से खड़ी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शून्य कार्बन उत्सर्जन के वैश्विक लक्ष्यों के अनुरूप दुनिया तेजी से ग्रीन स्टील की ओर बढ़ रही है और छत्तीसगढ़ देश के उन अग्रणी राज्यों में है, जिन्होंने इस बदलाव को समय रहते अपनाया है। प्रदेश में 26 हजार मेगावाट से अधिक विद्युत उपलब्धता तथा प्रतिस्पर्धी औद्योगिक विद्युत दरें ऊर्जा-आधारित डाउनस्ट्रीम मैन्युफैक्चरिंग के लिए छत्तीसगढ़ को विशेष रूप से अनुकूल बनाती हैं।

18 महीनों में लगभग ?8 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावः मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 ने निवेश के नए द्वार खोले हैं। पिछले 18 महीनों में प्रदेश को लगभग ?8 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें स्टील और खनन जैसे पारंपरिक क्षेत्रों के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल, टेक्सटाइल और एग्रो-प्रोसेसिंग जैसे भविष्य के क्षेत्रों में भी बड़े निवेश प्रस्ताव शामिल हैं।

प्रदेश में निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने कारोबारी प्रक्रियाओं में व्यापक सुधार किए हैं। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जिसने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस एक्ट' लागू किया है। इसके तहत कम जोखिम वाले उद्यमों के लिए स्व-प्रमाणीकरण, जोखिम आधारित नियामकीय व्यवस्था तथा निर्धारित समय-सीमा में आवेदन का निराकरण नहीं होने पर डीम्ड अप्रूवल जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं। इन सुधारों से प्रदेश के लगभग 15 लाख एमएसएमई को लाभ मिलने की उम्मीद है।

CRISIL-NITI Aayog Investment Friendliness Inde& 2026 में छत्तीसगढ़ ने प्रमुख राज्यों के बीच 'रेगुलेटरी ईज' और 'इंस्टीट्यूशनल एनवायरनमेंट' में प्रथम स्थान तथा 'एनवायरनमेंटल रेजिलिएंस' में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

राज्य सरकार औद्योगिक विकास को रायपुर-भिलाई के परंपरागत औद्योगिक क्षेत्र से आगे प्रदेश के अन्य जिलों तक विस्तार दे रही है। राजनांदगांव, धमतरी, जांजगीर-चांपा और बस्तर जिलों में चार नए औद्योगिक पार्क स्वीकृत किए गए हैं।

भारत सरकार ने राजनांदगांव में लगभग 306 एकड़ क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (श्रव्ष्ट 2.0) को भी स्वीकृति प्रदान की है। इससे बड़े पैमाने पर निवेश और लगभग 9 हजार रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक व्हीकल और स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की कंपनियों ने इस क्लस्टर में रुचि दिखाई है। मुख्यमंत्री साय ने निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा, हमारी नीति स्पष्ट है, प्रक्रियाएं पारदर्शी हैं और अनुमतियां तय समय-सीमा में मिल रही हैं। यहां रेड टेप के लिए कोई जगह नहीं है।

सीआरपीएफ 211 वाहिनी की भव्य तिरंगा यात्रा ने जगाई देशभक्ति की भावना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत सीआरपीएफ की 211वीं वाहिनी ने नया रायपुर, अभनपुर, राजिम, फिंगेश्वर और जामगांव सहित कई स्थानों पर भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। पूरे कार्यक्रम में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान का संदेश दिया गया। कमान्डेंट डॉ. विनोद कुमार टंडन के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान की शुरुआत थनौद (नया रायपुर) स्थित 211वीं वाहिनी मुख्यालय से हुई। अधिकारियों और जवानों ने तिरंगा लेकर यात्रा शुरू की और लोगों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया।

तिरंगा यात्रा श्री रावतपुरा सरकार चिकित्सा विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, बालको मेडिकल सेंटर, शासकीय हाई स्कूल ठेलकाबांधा, राजिम, फिंगेश्वर और जामगांव पहुंची। सभी स्थानों पर नागरिकों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, स्वास्थ्यकर्मियों और जनप्रतिनिधियों ने यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया। सीआरपीएफके जवानों ने बड़ी संख्या में तिरंगे वितरित किए और लोगों से स्वतंत्रता दिवस पर गर्व के साथ अपने घरों में तिरंगा फहराने की अपील की।

राजिम के पंडित रामबिशाल पांडेय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय में विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों और स्वागत कार्यक्रम से जवानों का अभिनंदन किया। विद्यालय के इको क्लब के बच्चों ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष चार लाख सीड बॉल तैयार किए हैं और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। फिंगेश्वर के शासकीय ठाकुर दलगंजन हायर सेकेंडरी स्कूल में कमान्डेंट डॉ. टंडन ने अपने छात्र जीवन की यादें साझा कीं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे मेहनत, अनुशासन और देश सेवा की भावना के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करें। इस अवसर पर शिक्षिकाओं ने सीआरपीएफके जवानों को राखी बांधकर सम्मानित किया।

जामगांव के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में डॉ. टंडन ने अपने गुरु कुमार निषाद से आशीर्वाद लिया और विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम ही देश को मजबूत बनाते हैं।

सीआरपीएफ211वीं वाहिनी की इस तिरंगा यात्रा का उद्देश्य हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुंचाना, युवाओं और बच्चों में राष्ट्रप्रेम की भावना जगाना तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान बढ़ाना था। कार्यक्रम के अंत में कमान्डेंट डॉ. विनोद कुमार टंडन ने सभी संस्थानों, नागरिकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और सहयोगी संगठनों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सेकेंड कमांडेंट प्रज्ञेश कुमार अटल, डिप्टी कमांडेंट इकबाल अहमद, असिस्टेंट कमांडेंट अनिल कुमार राय सहित सीआरपीएफ के अधिकारी और जवान उपस्थित रहे।

तिरंगा यात्रा ने पूरे क्षेत्र में देशभक्ति का उत्साह भर दिया और हर नागरिक को यह संदेश दिया कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है।

तिपहिया स्कूटी से बढ़ेगी दिव्यांगजनों की आत्मनिर्भरता : अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा स्थानीय विधायक अरुण साव ने आज लोरमी के मानस मंच में 11 दिव्यांगजनों को तिपहिया स्कूटी वितरित की। उन्होंने कहा कि स्कूटी से इनका आवागमन आसान होगा और वे जरूरी कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर हुए बिना आगे बढ़ सकेंगे। श्री साव ने कहा कि दिव्यांगजनों को बेहतर सुविधाएं देकर सम्मान के साथ आत्मनिर्भर जीवन के अवसर देना साय सरकार की प्राथमिकता है। तिपहिया स्कूटी उनके लिए सुविधा के साथ आत्मनिर्भरता का माध्यम बनेगी। उन्होंने सभी लाभार्थियों को बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उप मुख्यमंत्री साव ने सर्प मित्र सुरेश यादव और प्रदीप निषाद को सर्प रेस्क्यू के लिए सुरक्षा किट प्रदान की। उन्होंने कहा कि इससे सर्प मित्र सुरक्षित तरीके से अपना सेवा कार्य कर सकेंगे। कार्यक्रम में लोरमी नगर पालिका के अध्यक्ष सुजीत वर्मा, जनपद अध्यक्ष वर्षा सिंह, जिला पंचायत सदस्य रत्ना काटले, कोमलगिरी गोस्वामी, राजेंद्र साहू, डॉ. अशोक जायसवाल, दीनानाथ केशरवानी और अंजना दास सहित पार्षदगण, एल्डरमैन एवं नगरवासी मौजूद थे।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने छात्राओं को बांटी साइकिलें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री और भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में सरस्वती साइकिल योजना के तहत छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया। उन्होंने कहा कि बेटियों की शिक्षा और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

मंत्री राजवाड़े ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिवनंदनपुर (विश्रामपुर) में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को साइकिलें प्रदान कीं। इसके बाद उन्होंने विकासखंड भैयाथान के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दर्रीपारा में भी बालिकाओं को साइकिलें वितरित कीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों की छात्राओं को विद्यालय तक पहुंचने में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सरस्वती साइकिल योजना उनके लिए सुविधा और आत्मविश्वास दोनों का माध्यम बनेगी। इससे छात्राओं के समय की बचत होगी, नियमित उपस्थिति बढ़ेगी और वे उच्च शिक्षा की ओर अधिक उत्साह के साथ आगे बढ़ सकेंगी। उन्होंने छात्राओं से मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने परिवार, गांव तथा प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

तंबाकू पर शिकंजा कसने की तैयारी, कोटपा के कड़े अमल से बनेगा तंबाकू मुक्त छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तंबाकू के सेवन पर रोक और इसके दुष्प्रभावों से लोगों को बचाने के लिए छत्तीसगढ़ में अब कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ जनभागीदारी और बहुक्षेत्रीय समन्वय पर जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) के तहत गुरुवार को स्वास्थ्य भवन, नवा रायपुर में 'सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003' (कोटपा) के कड़े क्रियान्वयन को लेकर एक दिवसीय उन्मुखीकरण सह प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता अपर संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं श्री इंद्रजीत बर्मन ने की।

कार्यशाला में मुंबई से पहुंचीं वाइटल स्ट्रैटजीज की मुख्य वक्ता डॉ. चंद्रावली मदान ने तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान और लोगों को सिगरेट व अन्य तंबाकू उत्पादों से दूर रखने के उपायों पर जानकारी दी। वहीं वाइटल स्ट्रैटजीज की डॉ. हंसा कंडू ने राज्य में तंबाकू नियंत्रण कानून को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न विभागों और संस्थाओं की बहुक्षेत्रीय सहभागिता की आवश्यकता पर विचार साझा किए। प्रशिक्षण के दौरान विशेष रूप से नाबालिगों तक तंबाकू उत्पादों की पहुंच और उपलब्धता कम करने के उपायों पर चर्चा की गई, ताकि कम उम्र में तंबाकू सेवन की शुरुआत को रोका जा सके।

कार्यशाला में तंबाकू मुक्त समुदाय, तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान और तंबाकू मुक्त गांव की दिशा में किए जाने वाले प्रयासों के साथ जिला स्तर पर एमआईएस की प्रगति और उसके अपडेट की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को कोटपा के प्रावधानों के प्रभावी पालन और मैदानी स्तर पर निगरानी को मजबूत करने से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। अपर संचालक श्री इंद्रजीत बर्मन ने राज्य में तंबाकू के उपयोग को कम करने के लिए जागरूकता गतिविधियों के साथ वैधानिक प्रावधानों को सख्ती से लागू करने पर जोर दिया।

प्रशिक्षण में जिला स्तर से आए जिला नोडल अधिकारी (एनटीसीपी), जिला सलाहकार (एनटीसीपी), सामाजिक कार्यकर्ता, दंत शल्य चिकित्सक एवं दंत चिकित्सक, खाद्य एवं औषधि विभाग के प्रतिनिधि तथा जिला एनजीओ सहयोगियों ने भाग लिया।

केदमा में तिरंगे की शान के साथ विकास की नई सौगातें

भव्य तिरंगा यात्रा के साथ 2.42 करोड़ रूपए के विद्युत सब-स्टेशन का लोकार्पण और महतारी सदन का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व अंबिकापुर जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम केदमा में राष्ट्रभक्ति, विकास और महिला सशक्तिकरण का अनूठा संगम देखने को मिला। ग्राम केदमा में आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री एवं अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर ग्रामवासियों को विकास की दो महत्वपूर्ण सौगातें मिलीं। मंत्री अग्रवाल ने 2 करोड़ 42 लाख की लागत से निर्मित विद्युत सब-स्टेशन का लोकार्पण किया तथा महतारी सदन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। तिरंगा यात्रा के दौरान राष्ट्रीय एकता, अखंडता, भाईचारे और राष्ट्रप्रेम का संदेश जन-जन तक पहुंचा। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व आयोजित इस यात्रा ने क्षेत्र में देशभक्ति की भावना को और प्रबल किया।

महतारी सदन के भूमिपूजन के अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हमारी माताएं-बहनें जितनी सशक्त होंगी, छत्तीसगढ़ उतना ही समृद्ध और मजबूत बनेगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना समाज और क्षेत्र का समग्र विकास संभव नहीं है। महिलाओं को बेहतर सुविधाएं, अवसर और अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए मंच उपलब्ध कराना विकास की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि एक ओर हाथों में तिरंगा लेकर निकली तिरंगा यात्रा ने पूरे क्षेत्र को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया, वहीं दूसरी ओर विकास कार्यों की सौगात ने ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर बुनियादी सुविधाओं और महिला सशक्तिकरण की दिशा में नई उम्मीद जगाई। बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की सहभागिता से कार्यक्रम उत्साह और उमंग से भर उठा। स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान के कारण आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। राष्ट्र की एकता, अखंडता और सम्मान को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

महतारी सदन का भूमिपूजन, मिलेगा सशक्त मंच

ग्राम केदमा में महतारी सदन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया गया। ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रस्तावित यह सदन महिला समूहों की बैठकों, प्रशिक्षण, जागरूकता कार्यक्रमों, सामुदायिक गतिविधियों और विभिन्न सामाजिक आयोजनों के लिए उपयोगी केंद्र के रूप में विकसित होगा। महतारी सदन के माध्यम से महिलाओं को गांव में ही एक व्यवस्थित और सुविधाजनक मंच उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की गई है। इससे महिला समूहों की गतिविधियों को बेहतर स्थान मिलने के साथ महिलाओं की सामाजिक सहभागिता को भी बढ़ावा मिलेगा। शासन की महिला केंद्रित योजनाओं एवं जागरूकता गतिविधियों के संचालन में भी यह सदन उपयोगी साबित हो सकता है। शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह सदन ग्रामीण महिलाओं के लिए सहभागिता, संवाद और सामुदायिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकेगा।

2.42 करोड़ के विद्युत सब-स्टेशन से मजबूत होगी बिजली व्यवस्था

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि ग्राम केदमा में 2 करोड़ 42 लाख की लागत से निर्मित विद्युत सब-स्टेशन का लोकार्पण क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस विद्युत अधोसंरचना के शुरू होने से क्षेत्र की विद्युत वितरण व्यवस्था को मजबूती मिलने और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण जीवन में बिजली की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। बेहतर विद्युत आपूर्ति से घरेलू जरूरतों के साथ शिक्षा, कृषि, छोटे व्यवसाय और अन्य आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलती है। ग्रामीणों ने विद्युत सब-स्टेशन के लोकार्पण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

बारिश के बीच जोश और उत्साह के साथ सम्पन्न हुई जिला स्तरीय स्वतंत्रता दौड़

एमसीबी। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जिले में देशभक्ति, एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला स्तरीय स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। लगातार हो रही बारिश भी प्रतिभागियों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, युवाओं, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों ने पूरे जोश के साथ दौड़ में भाग लेकर राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। प्रातः 7 बजे स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, मनेन्द्रगढ़ से स्वतंत्रता दौड़ का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रतिमा यादव, अध्यक्ष नगर पालिका मनेन्द्रगढ़ ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया।

खास खबर

नाबालिग बेटी से पिता ने किया रेप, मिली आजीवन कारावास की सजा

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में नाबालिग बेटी से रेप के मामले में विशेष पॉक्सो कोर्ट ने आरोपी पिता को दोषी ठहराते हुए अंतिम सांस तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपी पर 5 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है। मामले में विशेष लोक अभियोजक गोविंद नारायण दुबे ने अभियोजन की ओर से पैरवी की। पारिवारिक विवाद के चलते पीड़िता का माँ अपनी सबसे छोटी बेटी को लेकर मायके चली गई थी, जबकि उसकी अन्य संतानें अपने पिता के साथ रह रही थीं। इसी दौरान करीब 15 साल के बेटी के गर्भवती होने की जानकारी परिजनों को मिली। पीड़िता ने कथित तौर पर बताया कि उसके पिता ने उसे डराने-धमकाने के बाद उसके साथ लगातार रेप किया, जिसके कारण वह गर्भवती हो गई। पुलिस ने पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण कराया और आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया। मामले की सुनवाई अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, पोक्सो न्यायालय, रायगढ़, देवेंद्र साहू की अदालत में हुई। न्यायालय ने आरोपी को आजीवन कारावास, अर्थात उसके शेष प्राकृतिक जीवनकाल तक कारावास की सजा सुनाई।

रायगढ़ में 2.50 लाख के जेवर और कैश की चोरी

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में ग्राम धनागर निवासी 50 वर्षीय दिलीप मंडल गांव में मां प्रिया ज्वेलर्स नाम से दुकान चलाते हैं। उन्होंने 5 अगस्त को घर और दुकान में सीसीटीवी कैमरा लगवाया था। दूसरे दिन बेटे सुदीप मंडल को हॉस्टल छोड़ने के लिए वह पूरे परिवार के साथ इंदौर चले गए। मंगलवार को जब दिलीप मंडल वापस घर पहुंचे, तो घर और दुकान के सात ताले टूटे मिले। जांच करने पर अलमारी का लॉकर भी टूटा हुआ मिला। दुकान से करीब 2 किलो पुराने चांदी के जेवर, 2 किलो नए चांदी के जेवर और 7 ग्राम सोने की नथनी चोरी कर ली। चोरी हुए सामान की कुल कीमत करीब ढाई लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 305 और 331(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

म्यूल अकाउंट मामले में दो खाताधारकों पर कार्रवाई

कोरबा। कोरबा में कमीशन के लालच में अपना बैंक खाता और मोबाइल नंबर दूसरों को इस्तेमाल करने के लिए देना दो लोगों को महंगा पड़ गया। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर साइबर थाना कोरबा ने साइबर अपराध में इस्तेमाल किए जा रहे म्यूल अकाउंट के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो खाताधारकों पर वैधानिक कार्रवाई की है। मामले में बीएनएस की धारा 317(2) और 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। दोनों को बाद में अपने खातों के होल्ड होने के बाद पता चला कि इनका इस्तेमाल साइबर अपराध से जुड़ी रकम के लेन-देन में किया गया है। दोनों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई है।

15 अगस्त को लेकर हाई अलर्टः रायपुर के एंट्री और एग्जिट प्वाइंट पर 24 घंटे नाकेबंदी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। 15 अगस्त को लेकर रायपुर पुलिस अलर्ट मोड पर है। शहर में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कमिश्नरेट के तीनों जोन में विशेष सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। शहर के प्रमुख एंट्री और एग्जिट प्वाइंट पर 24 घंटे नाकाबंदी कर सघन वाहन चेकिंग की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था में 800 से अधिक पुलिस अधिकारी और जवान तैनात किए गए हैं।

पुलिस ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई स्तर पर चेकिंग शुरू कर दी है। होटल, लॉज, सराय, धर्मशाला और अन्य ठहरने वाले स्थानों की सघन जांच की जा रही है। वहीं, संवेदनशील और महत्वपूर्ण इलाकों में पुलिस की फुट पेट्रोलिंग भी बढ़ा दी गई है।

प्रमुख चौक-चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस का विशेष चेकिंग अभियान जारी है। पुलिस आदतन बदमाशों, निगरानीशुदा व्यक्तियों और संदिग्ध लोगों की जांच कर रही है। संदिग्ध गतिविधि मिलने पर पुलिस द्वारा जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए वाहनों और यातायात गतिविधियों पर नजर रख रही है। इसके साथ ही शहर के अलग-अलग इलाकों में ड्रोन से निगरानी भी की जा रही है। स्वतंत्रता दिवस के दौरान किसी भी अप्रिय घटना की रोकथाम और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए 800 से अधिक पुलिस अधिकारी और जवान सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहेंगे। तीनों जोन में पुलिस की टीमें लगातार पेट्रोलिंग, चेकिंग और निगरानी कर रही हैं।

दुर्ग भिलाई में 16 अगस्त से ऑटो व ई-रिक्शा चालकों को जारी होगा क्यूआर कोड

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग-भिलाई में ऑटो व ई-रिक्शा चालकों की संपूर्ण जानकारी के लिए यातायात पुलिस द्वारा क्यूआर कोड जारी किया जाएगा। इस कोड को स्कैन करते ही ऑटो व ई-रिक्शा चालकों की पूरी डिटेल सामने आ जाएगी। गुरूवार को पुलिस नियंत्रण कक्ष में ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों के रजिस्ट्रेशन एवं क्यूआर कोड जारी करने की प्रक्रिया का डेमो दिया गया। 16 अगस्त से ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों का रजिस्ट्रेशन कर क्यूआर कोड जारी किया जाएगा। इस दौरान करीब 150 से ज्यादा चालक मौजूद रहे।

एसएसपी विजय अग्रवाल के निर्देशानुसार यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने एवं ऑटो तथा ई-रिक्शा चालकों के सत्यापन की दिशा में यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में 16 अगस्त 2026 से ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों का रजिस्ट्रेशन कर उन्हें क्यूआर कोड जारी करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। इससे पहले गुरूवार को पुलिस कंट्रोल रूम में लगभग 150 ऑटो चालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा ऑटो चालकों को क्यूआर कोड रजिस्ट्रेशन के उद्देश्य एवं उससे होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई।

रजिस्ट्रेशन के पश्चात क्यूआर कोड व्यवस्था से यात्रियों को ऑटो चालक की पहचान एवं सत्यापन संबंधी जानकारी प्राप्त करने में सुविधा होगी, जिससे आम नागरिकों में सुरक्षित यात्रा का विश्वास बढ़ेगा। साथ ही ऑटो चालकों के संचालन को भी व्यवस्थित करने के लिए निर्धारित स्थानों पर ऑटो खड़े करने, रोटेशन के आधार पर संचालन एवं निर्धारित किराये का पालन करने के संबंध में निर्देश दिए गए। बैठक में ऑटो चालकों को अपने वाहनों के समस्त दस्तावेज पूर्ण एवं अद्यतन रखने, वैध ड्राइविंग लाइसेंस के बिना वाहन नहीं चलाने तथा यातायात नियमों का पालन करने के निर्देश भी दिए गए। जिनके कागजात पूर्ण नहीं उन्हे परिवहन विभाग से संपर्क कर सरकारी फीस में बनाने चर्चा कर बनाया जायेगा।

जनहित फाउंडेशन रायपुर से आए ऋषभ सोनी द्वारा पीपीटी एवं मोबाइल के माध्यम से ऑटो चालकों को क्यूआर कोड रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया स्टेप-बाय-स्टेप समझाई गई तथा रजिस्ट्रेशन करने की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा यह पहल यात्रियों की सुरक्षा, ऑटो एवं ई-रिक्शा संचालन में पारदर्शिता तथा यातायात व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है।

सार संक्षेप

बस्तियों में पहुंचे हाथी, 18 किसानों का धान रौंदा

रायगढ़। धरमजयगढ़ वन मंडल में हाथियों का उत्पात लगातार बढ़ता जा रहा है। बुधवार रात जंगल से निकले हाथियों के अलग-अलग दल खेतों और बस्तियों तक पहुंच गए। धरमजयगढ़ और कापू रेंज के कई गांवों में हाथियों ने धान की खड़ी फसल को रौंद दिया। रातभर हाथियों की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत बनी रही। अलग-अलग घटनाओं में 18 किसानों की फसल को नुकसान पहुंचा, जबकि तीन कच्चे मकान भी क्षतिग्रस्त हुए। ग्रामीणों के मुताबिक हाथियों के खेतों तक पहुंचने के बाद कई जगह लोग रातभर जागते रहे। ग्रामीणों ने शोर मचाया, लेकिन कई दल काफी देर तक आसपास ही डटे रहे। वन विभाग की टीम भी हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखती रही। कापू रेंज में भी हाथियों की गतिविधि बढ़ी हुई है। अलोला बीट में 12 और पुटुकछार बीट में 17 हाथियों का दल मौजूद है।

चेकिंग अभियानः नशीली गोलियां, अवैध शराब बरामद

रायपुर। रायपुर पुलिस के सेंट्रल जोन में अपराध और संदिग्ध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में रात्रि गश्त के दौरान नशीली गोलियां, अवैध शराब और संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े मामलों में कार्रवाई की गई। पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी शिकंजा कसा। गोलबाजार थाना पुलिस ने बांस टाल शीतला मंदिर के पास चेकिंग के दौरान दो युवकों को पकड़ा। आरोपियों की पहचान अनुराग साहू (21) और सोमेश साहू (24) के रूप में हुई है। दोनों टिकरापारा इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस ने तलाशी ली तो उनके पास से नाइट्राजेपाम की 157 टैबलेट बरामद हुई। ये टैबलेट 16 पत्तियों में थी। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है मौदहापारा थाना पुलिस ने होटल आदित्य के सामने एक बार से अवैध रूप से शराब निकालकर बेचने के आरोप में अमित सिंह (27) को गिरफ्तार किया है।

ट्रेलर का डाला चुराकर बेचा, 300 सीसीटीवी खंगालने के बाद 3 आरोपी अरेस्ट

रायगढ। सारंगढ़ बस स्टैंड क्षेत्र निवासी धीरज कुमार नवीन (41) ने 2 अगस्त को कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि ट्रेलर का इंजन बजरंग मोटर के अंदर था, जबकि उसका डाला उर्दना बैरियर से तिराहा के बीच सड़क किनारे खड़ा था। 27 जुलाई को डाला वहां खड़ा किया गया था। अगले दिन सुबह डाला गायब मिला। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज में चोरी किया गया डाला दूसरे ट्रेलर के इंजन से जोड़कर ले जाते हुए दिखाई दिया। पुलिस ने दोनों वाहनों के आने-जाने का पूरा रूट सीसीटीवी फुटेज के जरिए ट्रेस किया। पुलिस के मुताबिक तीनों आरोपी ड्राइविंग का काम करते हैं। आरोपी संदीप कुमार खत्री करीब दो महीने पहले मोटरसाइकिल चोरी के मामले में जमानत पर बाहर आया था। चोरी का डाला खरीदने वाला आरोपी हरचरण सिंह सरदार फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। गिरफ्तार तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

बिलासपुर में दो जगह चाकूबाजी की घटना

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बाइक सवार तीन बदमाशों ने युवक पर चाकू से हमला कर दिया। वहीं, स्कूली छात्रों के बीच विवाद के दौरान एक छात्र को चाकू मार दिया गया। मामला कोनी और सरकंडा थाना क्षेत्र का है। कोनी क्षेत्र के सेंदरी निवासी अंकित बघेल नेशनल हाईवे स्थित बस स्टॉप के पास मजदूरों के आने का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान बाइक सवार तीन युवक वहां पहुंचे। बातचीत के दौरान अचानक आरोपियों ने अंकित पर चाकू से हमला कर दिया। वहीं, सरकंडा थाना क्षेत्र के चिंगराजपारा स्थित आत्मानंद स्कूल के बाहर एक स्कूली छात्र पर नाबालिग छात्र ने हमला कर दिया। घटना में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए तत्काल सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ब्लैकमेलिंग के लिए बनाया अश्लील वीडियो, सोशल मीडिया पर किया वायरल, तीनों आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक कारोबारी के यहां काम करने वाले कुछ लड़कों ने हिसाब-किताब में हेराफेरी की। इसके बाद कारोबारी ने उन्हें नौकरी से निकाल दिया, जिससे नाराज युवकों ने मालिक की पत्नी और उसके चचेरे भाई का प्राइवेट वीडियो दिखाकर पैसों की मांग करने लगे।

मामला मस्तूरी थाना क्षेत्र का है। दरअसल युवकों ने काम के दौरान चुपके से देवर-भाभी के निजी पलों का वीडियो बना लिया था, जिसे वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहे थे। पीड़ित परिवार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, कारोबारी ट्रांसपोर्ट का व्यवसाय करता है। कारोबार संभालने के लिए उसने पीतांबर सिंह और अजय चौधरी को काम पर रखा था। बाद में हिसाब-किताब में गड़बड़ी सामने आने पर दोनों को नौकरी से निकाल दिया गया, जिससे दोनों नाराज हो गए और विवाद शुरू हो गया।

शिकायत के मुताबिक 9 जुलाई की रात करीब 10 बजे आरोपी पीड़ित के भाई के पास पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने जातिगत गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद मालिक की पत्नी और उसके भाई के प्राइवेट मोमेंट का वीडियो दिखाया और बाद में उसे वायरल कर दिया।

पुलिस के मुताबिक, देवर-भाभी के बीच निजी संबंधों के दौरान वीडियो बनाए जाने की बात सामने आई है। इसी प्राइवेट वीडियो को आरोपियों ने सोशल मीडिया पर डाल दिया। वीडियो वायरल होने के बाद महिला को अपमान और मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा।

मामले की शिकायत मिलने पर मस्तूरी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ महिला की गरिमा का अपमान करने, अश्लील हरकत करने और धमकी देने की धाराएं लगाई हैं।

बीएनएस की धारा 77, 79, 296, 351(3), आईटी एक्ट की धारा 66ई, 67, 67बी तथा एससी-एसटी एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। इसके बाद मस्तूरी पुलिस की टीम ने आरोपियों के ठिकानों पर दबिश दी। पुलिस ने अजय चौधरी (23), नरेश पटेल (24) और पीतांबर सिंह (38) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। तीनों आरोपी खपरी लिमतरा के रहने वाले हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने वीडियो वायरल करने की बात स्वीकार की। तीनों को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

नदी में डूबने से छात्र की मौत, 2 घंटे बाद मिला शव

बिलासपुर। बिलासपुर में दोस्तों के साथ अरपा नदी में नहाने गया 14 साल का किशोर गहरे पानी में डूब गया। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और नदी में तलाश शुरू की। करीब दो घंटे तक चले रेस्क्यू के बाद दोपहर करीब 2 बजे किशोर का शव नदी से बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि किशोर दोस्तों के साथ नदी में नहाने गया था, इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

एसईसीएल कर्मी के बेटे की हत्या

कोरबा में पत्नी ने नशे में विवाद के बाद चाकू मारा, गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा के मानिकपुर चौकी क्षेत्र स्थित एसईसीएल सुभाष ब्लॉक कॉलोनी में 29 साल के अंकित सोनवानी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। जांच के बाद पुलिस ने इसे हत्या का मामला बताया है। पुलिस ने मृतक की पत्नी प्रिया सोनवानी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

घटना वाले दिन अंकित शराब के नशे में घर पहुंचा और अपने कमरे में चला गया। कमरे में उसकी पत्नी प्रिया भी मौजूद थी। कुछ देर बाद अंकित अचानक गिर पड़ा और उसके पैर में चाकू लग गया। इससे काफी खून बहने लगा। पत्नी की आवाज सुनकर छोटा भाई आशीष और अन्य रिश्तेदार मौके पर पहुंचे।

परिजन अंकित को एसईसीएल के विभागीय अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे निजी अस्पताल रेफर किया। हालांकि, निजी अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की।

कोरबा सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि अंकित की मौत पैर में चाकू लगने से ज्यादा

खून बहने के कारण हुई। इससे उसका ब्लड प्रेशर काफी कम हो गया था। मेडिकल जांच में यह भी सामने आया कि अंकित को ऐसी बीमारी थी, जिसमें खून का थक्का बनने में ज्यादा समय लगता था। इससे रक्तस्राव और बढ़ गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि अंकित शराब पीने के बाद अक्सर पत्नी से मारपीट करता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। आरोप है कि गुस्से में प्रिया ने अंकित के पैर में चाकू मार दिया।

चोट लगने के बाद उसे तुरंत अस्पताल नहीं ले जाया गया, जिससे काफी खून बह गया। पुलिस ने आरोपी प्रिया सोनवानी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

सुपेला क्षेत्र में ट्रैफिक सिस्टम सुधारने पर जोर यातायात पुलिस ने की व्यापारियो संग बैठक

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुरक्षित बनाने तथा नेशनल हाईवे एवं सर्विस रोड एवं बाजार को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए एसएपी दुर्ग के निर्देश पर यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सुपेला क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुधारने हेतु व्यापारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। सड़क पर वाहन खड़ा नहीं करने, वन-वे व्यवस्था एवं सर्विस रोड को व्यवस्थित करने पर सहमति बनी। इस दौरान कई बिंदुओं पर चर्चा हुई।

बैठक में सड़क पर वाहन खड़ा नहीं करने एवं सड़क यातायात में बाधा उत्पन्न नहीं करने के लिए व्यापारियों को समझाइश दी गई। सुपेला अंडरब्रिज से आकाशगंगा की ओर जाने वाले मार्ग को वन-वे करने पर सहमति बनाई गई। नगर निगम के सहयोग से सर्विस रोड को अतिक्रमण एवं अव्यवस्थित पार्किंग से मुक्त कराकर यातायात के लिए सुगम बनाने का निर्णय लिया गया। सर्विस रोड को मुख्य मार्ग से दो स्थानों पर जोड़ने की कार्ययोजना तैयार करने पर सहमति बनी, जिससे वाहनों का दबाव कम किया जा सके।

व्यापारियों से अपील की गई कि वे अपने ग्राहकों एवं कर्मचारियों को भी सड़क पर वाहन पार्क नहीं करने के लिए प्रेरित करें। यातायात पुलिस एवं नगर निगम द्वारा संयुक्त रूप से क्षेत्र का निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने एवं यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने की कार्रवाई की जाएगी। यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा आम नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की गई है कि सड़क एवं सर्विस रोड को पार्किंग स्थल न बनाएं तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करें।

।। न्यायालय तहसीलदार गुरूर, जिला-बालोद (छ.ग.)।।

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम ग्रामवासी ग्राम अरकार तहसील गुरूर जिला बालोद छ.ग. को सूचित किया जाता है कि कार्यालय कलेक्टर बालोद जिला बालोद के ज्ञापन क्रमांक /309/प्र. कले./2026 बालोद दिनांक 30.06.2026 अनुसार औद्योगिक प्रयोजन हेतु ग्राम अरकार पहनं. 02 रानिमं. सनौद तहसील गुरूर स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 652 रकबा 21.38 हे. को उद्योग विभाग को हस्तांतरित किये जाने हेतु पत्र प्राप्त होने पर प्रकरण की कार्यवाही प्रारंभ किया गया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्ताशय के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा-आपत्ति हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 27/08/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति-दावा पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति-दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

जी-262702765/2

तहसीलदार
गुरूर, जिला-बालोद

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950